संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 324
पृष्ठ 8
सोमवार
18 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com    सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- केमिकल को कहें अलविदा, किचन...
विचार- अश्वपरेशन सिंदूर मनोरंजन के मंच पर
खेल- एशिया कप में दिखेगा जसप्रीत बुमराह...

## सीएम योगी ने कहा- सीएम राहत कोष से इलाज में की गई 100 करोड़ रुपये की मदद

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो स्पेशलिटी सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने की प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। यदि किसी के इलाज में आयुष्मान योजना की राशि कम पड़ेगी तो मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधि से उसकी भरपूर मदद की जाएगी। सीएम योगी रविवार को रीजेंसी हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया और हॉस्पिटल के पेशेंट एप 'रीजेंसी माई केयर' को भी लांच किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं गरीब के लिए दुर्लभ थीं, पर आज सहज उपलब्ध होने लगी हैं। यूपी सरकार ने साढ़े पांच करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। इसके आलावा जिन लोगों के पास आयुष्मान योजना या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं है, उनके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से है। विधायकों को भी उनकी निधि से पचीस लाख तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है। सीएम योगी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपये इलाज के लिए दिए गए हैं। पहले यह सुविधाएं नहीं थीं और अगर कुछ सुविधाएं मिलती भी थीं तो 'पिक एण्ड चूज' के माध्यम से चेहरा देखकर मिलती थीं।

बिना भेदभाव सुविधाएं देना सरकार का लक्ष्य

सीएम योगी ने कहा कि जनता के साथ जो हर समय खड़ी हो वही सरकार है। सरकार का लक्ष्य हो कि जनता को बिना भेदभाव के सभी सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि इलाज हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा मिलता है। आज हर एक स्तर पर यह सुविधा मिल रही है। पिछले 11 वर्ष में विकासपरक परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति की आर्थिक क्षमता भी बढ़ी है। व्यक्ति पैसा खर्च कर सकता है बस उसको सुविधाओं की आवश्यकता रहती है।

**● दुर्लभ स्वास्थ्य सेवाएं हुई सहज**

मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुरू होना बड़ी उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई सौ बीएड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी का शुरू होना गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक ही छत के नीचे यहां सारी सुविधाएं मिलेंगी। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमोत्तर बिहार और नेपाल के लोगों को भी मिलेगा। यहां 80 बेडेड आईसीयू की भी सुविधा है। उन्होंने कहा कि की कानपुर में रीजेंसी हॉस्पिटल चिकित्सा सेवा के बैक बोन के रूप में है और यूपी में इसकी श्रृंखला शुरू हो रही है। इस हॉस्पिटल को गोरखपुर में स्थापित कराने के लिए सीएम योगी ने इसके साझीदार तनमय मोदी की मुक्त कंठ से सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम है लेकिन यदि उपचार में सावधानी और सतर्कता नहीं बरती गई तो वह इंफेक्शन का भी माध्यम बन जाता है। इस अस्पताल में इन सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। यह अस्पताल इस क्षेत्र के पांच करोड़ आबादी के लिए एक बेहतरीन स्वास्थ्य केंद्र बनेगा।

दस वर्ष पहले बेहद खराब थी पूर्वी यूपी में स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज से दस वर्ष पहले स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बहुत खराब थी। सरकार उदासीन थी, जनता जैसे-तैसे अपना जीवनयापन करती थी। जनता को उत्तम स्वास्थ्य की सुविधा देने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कार्य शुरू किया तो देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरीन वृद्धि देखने को मिली।

## मोदी को विश्वास, राज्य सरकारें जीएसटी सुधार के प्रारूप को शीघ्र मंजूर करेंगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विश्वास जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगले चरण के सुधारों के लिये केंद्र द्वारा भेजे गये प्रारुप को राज्यों का समर्थन शीघ्र मिल जायेगा और देश को जीएसटी सुधार का डबल बोनस मिलेगा। श्री मोदी ने देश में सुधारों को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराते हुये कहा. 'हमारे लिए सुधार का मतलब सुशासन और सुविधा है।' प्रधानमंत्री राजधानी में 11,000 हजार करोड़ रुपये की राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल के जरिए उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस दिवाली से जीएसटी सुधार के तहत डबल बोनस मिलने जा रहा है। इसका प्रारुप सभी राज्यों को भेज दिया गया है। हमें उम्मीद है कि राज्य सरकार इसमें सहयोग कर इसे स्वीकार करेंगी। इससे जनता और कारोबार को लाभ होगा।" श्री मोदी ने इस अवसर पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बगैर संविधान की किताब दिखाने के लिए उनकी आलोचना की । उन्होंने कहा कि आज जो संविधान की किताब सर पर रख कर नाचते हैं, वे किस तरह बाबा साहेब के संविधान को दगा दे रहे थे इसका उदाहरण दिल्ली के म्युनिसिपल कानून में ऐसी व्यवस्था थी जिसमें प्रावधान था कि यदि कोई सफाईकर्मी बिना बताये काम पर नहीं आया तो उन्हें एक माह के लिए जेल में डाल दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा , 'यह मोदी सरकार है जो ऐसे कानूनों को खोज खोज कर खत्म कर रही है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली और आस पास के राज्यों में आज भाजपा की सरकारें हैं लेकिन कुछ लोगों को भाजपा के लिए जनता का आशीर्वाद पच नहीं रहा है। श्री मोदी ने कहा, 'जनता के आशीर्वाद के बाद हमारी जिम्मेदारी है कि हम दिल्ली और एनसीआर का विकास करें, यहां के लोगों के लिए सुविधाएं विकसित करें ।" उन्होंने जनता से फिर स्वदेशी अपनाने और देश को मजबूत बनाने में योगदान करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत क्या सोच रहा है, उसके सपने और संकल्प क्या है, यह सब कुछ पूरी दुनिया अनुभव कर रही है। दुनिया की पहली नजर हमारी राजधानी पर पड़ती है। इसलिए दिल्ली को विकास का एक ऐसा माडल बनाना हैं ताकि सभी को लगे कि यह विकसित हो रहे देश की राजधानी है।

## चोरों को हटाने-भाजपा को भगाने के लिए राहुल-तेजस्वी एकजुट होकर लड़ें : लालू

सासाराम, बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने वोट चोरी रोकने के लिए भाजपा को भगाने और वोट चोरों को हटाने का आग्रह करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव को एकजुट होकर काम करने और वोट चोरी की साजिश करने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर वोटों की चोरी रोकना सबकी जिम्मेदारी है इसलिए मिलकर वोट चोरों को सत्ता से हटाना है और भाजपा को भगाना है। श्री यादव ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बिहार में रविवार से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा शुरू होने से पहले यहां आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'चोरों को हटाएं, भाजपा को भगाएं। भाजपा वोटों की चोरी करती है और उसे इस बार बिहार में आने नहीं देना है। भाजपा को रोकना है इसलिए सब लोगों, एक हो जाओ। उन्होंने जनता का भी आह्वान किया कि वह वोट चोरी करने वालों को उखाड़ फेंके। उन्होंने भोजपुरी कहावत के साथ जनता का आह्वान करते हुए कहा श्लागल लागल झुलनिया में धक्का बलम कलकत्ता चललश मतलब की वोट चोरों के झूले को ऐसा धक्का दीजिए की बालम कोलकाता जाकर रुकें।

## कठुआ में भारी बारिश के बाद आयी बाढ़ में सात लोगों की मौत, कई घायल

जम्मू,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के राजबाग-घाटी इलाके में भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ में रविवार को कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए । अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले में रात भर हुयी भारी बारिश के कारण सुबह अचानक बाढ़ आ गयी। इस त्रासदी के कारण जिले के कुछ हिस्सों में सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, ष्घाटी क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में भी बादल फटने की भी खबरें हैं।ष उन्होंने आगे कहा कि भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिससे घरों और अन्य बुनियादी ढाँचों को नुकसान पहुँचा। इसके अलावा,जंगलोट और आसपास के इलाकों में रेलवे ट्रैक और जम्मू-कठुआ राष्ट्रीय राजमार्ग के कुछ हिस्सों को भी नुकसान पहुँचा है। उन्होंने कहा, सड़कों पर पानी भर गया है और बाढ़ का पानी पुराने कठुआ शहर के कई घरों में भी घुस गया है। पुलिस और सेना की टीमों के साथ-साथ एसडीआरएफ को भी बचाव अभियान में लगाया गया है और प्रभावित परिवारों तक पहुँचने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया है। घायलों को अस्पताल पहुँचाया जा रहा है, और उन्हें निकालने के लिए हेलीकॉप्टर की भी व्यवस्था की गई है।उन्होंने बताया कि कठुआ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राहुल चरक के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर पुलिस, एसडीआरएफ और सीआरपीएफ के जवानों की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और जंगलोट के भांगर गांव के दिलवाने इलाके में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया है। यहां एक मां दृबेटी की इस आपदा में मौत हो गई है। पुलिस, सेना और एसडीआरएफ ने कठुआ के राजबाग के जोडे इलाके में प्रभावित परिवारों तक पहुंचने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया है, जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की इस त्रासदी में मौत हो गई।

## बिहार में वोट चोरी का सपना पूरा नहीं होने देंगे : राहुल

सासाराम, बिहार, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र तथा कर्नाटक की तरह वोट चोरी की साजिश हो रही है लेकिन अब वह जनता को जगाने के लिए सड़क पर आ गए हैं और इस षड्यंत्र को सफल नहीं होने दिया जाएगा। श्री गांधी ने बिहार के सासाराम में रविवार को वोटर अधिकार यात्रा शुरु करने से पहले आयोजित विशाल जन समारोह संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिहार में वोटों की चोरी करने की साजिश है और इसके लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का काम चुनाव आयोग के साथ मिलकर शुरू किया जा चुका है। उनका कहना था कि इस यात्रा से जनता को जागृत कर वह भाजपा के षड्यंत्र पर पानी फेरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान को मिटाने की कोशिश की जा रही है इसीलिए जब भी चुनाव होते हैं तो भाजपा का षड्यंत्र शुरू हो जाता है। चुनाव अगर विपक्ष जीत रहा है तो इसे रोकने का षड्यंत्र शुरु हो जाता है। चुनाव के सारे अनुमान और चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भाजपा के खिलाफ आते हैं लेकिन चुनाव परिणाम अचानक भाजपा की जीत का आता है। श्री गांधी ने साजिश का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा को कम वोट मिले लेकिन छह माह बाद विधानसभा में एक करोड़ नये वोट जुड़ते हैं और सारे के सारे नए वोट भाजपा को मिल जाते हैं। इलेक्शन कमीशन से कहा कि वीडियोग्राफी दिखाओ तो उन्होंने मना कर दिया गया। कर्नाटक में हमने एक विधानसभा के वोट की तुलना की तो एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट मिले हैं। उन्होंने कहा षबिहार की जनता का वोट चोरी नहीं होने देंगे क्योंकि गरीबों के पास सिर्फ वोट है। वोट चोरी चुनाव आयोग करवा रहा है। पहले पता नहीं चलता था कि वोट चोरी हो रही है लेकिन मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका पर्दाफाश किया है। लोगों के वोट काटे जा रहे हैं और चुनाव जीतकर जनता का पैसा 5-6 उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने हमारे दबाव में जाति जनगणना की बात मानी लेकिन मुझे मालूम है कि वह जाति जनगणना नहीं करेंगे लेकिन हम 50 प्रतिशत की दीवार हटाएंगे और पूरे देश को दिखाएंगे कि हमने जो बोला है वह कर दिखाया है। उनको जाति जनगणना करने के लिए भी मजबूर करेंगे। हम वोट चोरी नहीं होने देंगे।

## कठुआ बाढ़ मामले में शाह ने उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की, मदद का आश्वासन

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात कर कठुआ जिले में बादल फटने की घटना के बारे में जानकारी ली है। श्री शाह ने रविवार को कहा कि संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती के साथ खड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा," कठुआ में बादल फटने की घटना के संबंध में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की। स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य जारी है और एनडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया। हम जम्मू-कश्मीर के अपने बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़े हैं।" उल्लेखनीय है कि कठुआ में रविवार सुबह बादल फटने के कारण कई लोगों के हताहत होने की खबर है।

## चुनाव आयोग के लिए कोई पक्ष या विपक्ष नहीं, सभी समान, बिहार एसआईआर विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त की दो-टूक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को नेशनल मीडिया सेंटर में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, श्भारत के संविधान के अनुसार 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले भारत के प्रत्येक नागरिक को मतदाता बनना चाहिए और मतदान भी करना चाहिए। आप सभी जानते हैं कि कानून के अनुसार प्रत्येक राजनीतिक दल का जन्म चुनाव आयोग में पंजीकरण के माध्यम से होता है। फिर चुनाव आयोग समान राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव कैसे कर सकता है? चुनाव आयोग के लिए न तो कोई विपक्ष है और न ही कोई पक्ष। सभी समान हैं। चाहे कोई किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित हो, चुनाव आयोग अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हटेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को सुधारने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने बिहार से एक विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत की है। एसआईआर की प्रक्रिया में सभी मतदाताओं, बूथ स्तर के अधिकारियों और सभी राजनीतिक दलों द्वारा नामित 1.6 लाख ठस। ने मिलकर एक मसौदा सूची तैयार की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया में एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी, 10 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट, उम्मीदवारों के 20 लाख से ज्यादा पोलिंग एजेंट काम करते हैं। इतने सारे लोगों के सामने इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में क्या कोई मतदाता वोट चुरा सकता है?

## महबूबा मुफ्ती ने कठुआ में बादल फटने की घटना में लोगों की जान जाने पर दुख जताया

जम्मू, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के कारण हुई जानमाल की हानि पर रविवार को शोक व्यक्त किया। जिले के दो स्थानों- राजबाग के जोध घाटी गांव और जंगलोट के बागरा गांव में सुबह बादल फटने और भूस्खलन होने से सात लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कठुआ जिले में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण हुई दुखद जनहानि से बहुत दुखी हूं। विनाश की शुरुआती खबरें सचमुच दिल दहला देने वाली हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।" उन्होंने कहा कि ऐसे मुश्किल

क्षणों में प्रशासन द्वारा त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता थी। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, "ऐसे महत्वपूर्ण क्षणों में प्रशासन द्वारा त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है, हर क्षण महत्वपूर्ण है।

## बिहार में वोट चोरों को बाहर करना जनता, इंडिया गठबंधन की जिम्मेदारी : खरगे

सासाराम, बिहार, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि बिहार में वोट चोरी करके दलितों पिछड़ों और अन्य सभी कमजोर वर्गों का शोषण किया जा रहा है इसलिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा शुरू की है और बिहार की जनता तथा विपक्ष के सभी दलों के नेताओं को एकजुट होकर इसमें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट हर एक व्यक्ति का अधिकार है लेकिन भाजपा सरकार चुनाव आयोग के साथ मिलकर इस अधिकार को छीन रही है और बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का काम करवा कर लोगों के वोट चोरी करवा रही है। इसे सबको मिलकर रोकना है और इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों और बिहार की जनता को इस साजिश को सफल नहीं होने देना है। यह सभी का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया और बिहार की जनता मिलकर वोट चोरों को बाहर करे। श्री खरगे ने यहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री गांधी की यह यात्रा संविधान बचाने के लिए है और इस यात्रा को सफल बनाने के लिए बिहार की जनता को उन्हें अपना पूरा समर्थन देना चाहिए। संविधान में हर गरीब को वोटिंग का अधिकार दिया गया है। डॉ राजेंद्र प्रसाद, बाबा अंबेडकर और महान चित्रकार नंदलाल बोस ने लिखित संविधान को सजाने के लिए चित्र बनाकर बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी की यात्रा उस ऐतिहासिक सासाराम से शुरू हो रही है जहां बाबू जगजीवन राम आजीवन दलितों, पिछडों के हितों के लड़ते रहे।

## महाकुंभ-2025 में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित हुए वज़रत हुसैन

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के दौरान बेहतर कार्य निष्पादन और यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में विशेष योगदान देने पर प्रयागराज मंडल के मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक (प्रशासन) वज़रत हुसैन को सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रयागराज मंडल के डीआरएम रजनीश अग्रवाल और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) हिमांशु शुक्ला ने प्रदान किया।

वज़रत हुसैन ने महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया। उन्होंने हर स्पेशल गाड़ी के अनाउंसमेंट को समय पर और सटीक तरीके से यात्रियों तक पहुंचाने के साथ-साथ सभी डिस्प्ले बोर्ड पर सही सूचना उपलब्ध कराई। इससे यात्रियों को समय की जानकारी सहज रूप से मिलती रही। इसके अतिरिक्त संगम क्षेत्र में बनाए गए शिविर में भी उन्होंने यात्रियों की मदद कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया। उनकी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

## ग्राम विकास अधिकारी भर्ती की आयुसीमा 40 तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग ने ग्राम विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी की सीधी भर्ती के लिए अधिकतम आयुसीमा बढ़ाकर 40 साल कर दी है। पहले रिक्तियां विज्ञापित किए जाने वाले साल में एक जुलाई को अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 28 और अधिकतम 32 साल निर्धारित थी। इसमें संशोधन करते हुए अब रिक्ति के विज्ञापन वर्ष में एक जुलाई को अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 18 और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। इस संशोधन की अधिसूचना जारी हो चुकी है। इस भर्ती की अर्हता में भी संशोधन किया गया है। पहले यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा या सरकार से मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक था। अब यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा या सरकार से मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होने के साथ ही नीलिट (एनआईईएलआईटी) द्वारा प्रदान किया गया कंप्यूटर प्रचालन में सीसीसी प्रमाणपत्र या सरकार से मान्यता प्राप्त समकक्ष प्रमाणपत्र भी आवश्यक है।

## जीवनभर सीखते रहना ही सफलता का मंत्र: प्रो. सहस्त्रबुद्धे

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के शनिवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान हमें कार्य के प्रति समर्पण और पेशेवराना दृष्टिकोण अपनाना सिखाता है। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर अंतिम सांस तक सीखने की यात्रा जारी रहती है और यह कभी रुकनी नहीं चाहिए। छात्रों को कई भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि इससे ज्ञान ग्रहण करने की क्षमता और दृष्टिकोण दोनों का विस्तार होता है। ईमानदारी और परिश्रम को उन्होंने सफलता की कुंजी बताया।

## सचिव ने नए भारत के निर्माण का दिलाया संकल्प

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी के सचिव डॉ. अजीत कुमार सिंह ने झंडारोहण के बाद एकेडेमी परिसर में उपस्थित लोगों को नए भारत के निर्माण के लिए संकल्प दिलाया। सचिव ने कहा कि आज हम एक आजाद देश के नागरिक हैं, हमारी आजादी का अर्थ है कि हम अपने देश के प्रति अपने कर्मों का पूर्ण निष्ठा व परिश्रम से निर्वहन करें। देश के लिए पूर्ण ईमानदारी का संकल्प ले, इसकी शुरुआत एकेडेमी परिसर से शुरू करनी चाहिए। इस मौके पर डॉ. फाजिल हाशमी, डॉ. अनिल कुमार सिंह, गोपालजी पांडेय, संतोष कुमार तिवारी, अंकेश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

## कैंट हाईस्कूल में देशभक्ति के कार्यक्रम

प्रयागराज। छावनी परिषद की ओर से संचालित कैंट हाई स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों ने देशभक्ति से जुड़े नृत्य, भाषण और गायन पेश किया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम के साथ नामित सदस्य विनोद बाल्मीकि, कैप्टन एके सिन्हा, स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद अंसार आदि मौजूद रहे। स्वतंत्रता दिवस के एकदिन पहले स्कूल के छात्रों ने तिरंगा यात्रा निकाली थी।

## जन्माष्टमी पर अस्पतालों में राधा-कृष्ण की गूंजी किलकारी

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व शनिवार को कई परिवारों के लिए खुशियां लेकर आया।अस्पतालों में राधा-कृष्ण की किलकारी गूंजी। भोर से मध्य रात्रि तक शहर के सरकारी व कुछ निजी अस्पतालों में लगभग 40 बच्चों का जन्म हुआ। सिविल लाइंस स्थित वात्सल्य अस्पताल में भी नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की.. जैसा वात्सल्य बरसा। वात्सल्य अस्पताल की निदेशक डॉ. कृतिका अग्रवाल ने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर सात बच्चों का जन्म हुआ, जिसमें छह बेटा और एक बेटी थी। बेटों का नाम माताओं ने कृष्ण रखा तो वहीं बेटियों का नाम राधा रखकर पर्व का यादगार बनाया।

जन्म देने वाली माताओं में बेलवारा की पूजा पांडेय, प्रीतमनगर की पल्लवी, सिविल लाइंस की जया साहनी, जार्ज टाउन की स्वाति गौर, सैनिक कॉलोनी की स्वाति गौर, अल्लापुर की शिवानी और म्योर रोड की आकांक्षा शामिल रहीं। डॉ. कृतिका ने प्रसूता महिलाओं को शुभकामना और उपहार भेंट किया।

# कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क खस्ताहाल, बारहों महीने रहता है कीचड़

प्रयागराज। कोड़ापुर विकास को नए पर लगाने, नए आयाम दिलाने का माध्यम सड़क और राजमार्ग बताये जाते हैं। यही वह सूत्र है जिसे प्रदेश और केंद्र सरकारों ने मजबूती से पकड़ लिया है। इसीलिए प्रदेश सरकार का सबसे ज्यादा जोर संपर्क मार्गों, मुख्य मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मतीकरण पर हैं। चुस्त दुरुस्त सड़कें यात्रा की समयावधि तो घटाती ही हैं इससे यात्रा में थकान भी कम लगती है और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ता। इसलिए चाहे गंवई हो या फिर शहरी सभी मार्गों को गड्ढामुक्त करने का प्रयास होता है। इन सबमें सरकार ने काफी सफलता भी हासिल की है।

ऐसे में अब भी कुछ सड़कें अपने खस्ताहाल और जीर्णशीर्ण अवस्था के कारण सरकार की आकांक्षाओं पर पानी फेरने का कार्य कर रही हैं। इन्हीं में फूलपुर क्षेत्र की मैलहन बाजार से कोनार बाजार संपर्क मार्ग भी है। जिसका लगभग चार वर्ष पूर्व मरम्मतीकरण का कार्य प्रारंभ हुआ था पर न जाने क्यों आधी सड़क बनाने के बाद कार्यदायी संस्था और विभाग ने शेष कार्य यथावत छोड़ दिया। धीरे धीरे पूरी सड़क ही ग्रामीणों व राहगीरों के आवागमन में भारी असुविधा खड़ी कर रही है। उसमें भी चार किलोमीटर की सड़क में पांच-पांच सौ मीटर की दो जगह की दूरी तो सदैव कीचड़युक्त बनीं रहती हैं जो ग्रामीणों और राहगीरों के लिए दुर्घटना का अक्सर कारण बनती है। फूलपुर-मुबारकपुर-गाज़ी का बाग अंतरजनपदीय मार्ग पर फूलपुर से लगभग आठ किलोमीटर की दूरी पर पुरानी मैलहन बाजार स्थित है। जो आसपास के कई दर्जन गांवों के ग्रामीणों की खरीदारी, शिक्षा, बैंकिंग का केंद्र है। इसी बाजार के चौराहे से एक मार्ग कोनार बाजार-अगराप‌ट्टी प्रयागराज गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ती है। मैलहन से लेकर कोनार बाजार तक की चार किलोमीटर की दूरी में कई ग्राम पंचायतें व राजस्व गांव जैसे चिटहा, मेहंदीपुर, नई कोट संपर्क मार्ग, मोहम्मदाबाद उर्फ मैलवन, सराय वृंदावन कोनार स्थित है। उक्त गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों व यात्रियों का प्रतिदिन यही मार्ग आवागमन का साधन है। यह सड़क अपनी खस्ताहाली, जीर्णशीर्ण अवस्था से सड़कों के गड्ढामुक्त वादे को मुंह चिढ़ाने का कार्य कर रही है।इस मार्ग पर मैलहन छोर, मेहंदीपुर गांव, मैलवन गांव में तीन सौ से पांच सौ मीटर तक की दूरी के तीन अलग अलग क्षेत्र ऐसे है जो लगभग बारहों महीने पानी और कीचड़ से लबरेज रहते हैं। इसका गंदा पानी और कीचड़ जहां यात्रियों के कपड़े गंदे करने, दुर्घटना को दावत देने वहीं संक्रामक रोगों को भी फैलने की गुंजाइश देते है। कोई भी नया यात्री यदि देर शाम इस मार्ग से यात्रा कर ले और थोड़ा सजग न रहे तो दुर्घटना का शिकार होना तय है। ग्रामीण बताते हैं कि लगभग चार वर्ष पूर्व इस सड़क का जीर्णोद्धार हुआ था वह भी आधी दूरी तक शेष आधी दूरी का मरम्मत का कार्य दशकों पूर्व हुआ था। ग्रामीण और यात्री बराबर इसके पुनर्निर्माण और चौड़ीकरण की मांग कर रहे है पर यह नक्कारखाने में तूती के

समान है। चूंकि इस मार्ग का उपयोग आधा दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण, किसान, सब्जी उत्पादक, छात्र, नौकरीपेशा, संविदाकर्मी और अधिवक्ता करते है इसलिए ये सभी भुक्तभोगी है। इनकी मांग पर विभाग और सरकार कब विचार करती है यह भविष्य के गर्भ में है। महाकुंभ के पहले बनने के थे आसार क्षेत्र के ग्रामीण बताते हैं कि महाकुंभ के पूर्व इस सड़क के बनने के पूरे आसार थे। टेंडर होने की भी बातें बताई जाती थी लेकिन महाकुंभ के बीते भी काफी समय हो गये। अब तक जीर्णोद्धार की कहीं से सुगबुगाहट सामने नहीं आई है। बाईपास का करती है काम जब कभी फूलपुर आरओबी पर कोई कार्य हो रहा हो, फूलपुर में भीषण जाम लगा हो,कोई विशेष पर्व हो और फूलपुर में रूट डायवर्ट किया गया हो तब यात्री इस मार्ग को वैकल्पिक रूप से बाईपास का उपयोग करते हैं। जिन्हें जौनपुर या प्रतापगढ़ जाना होता हैं वे इस वैकल्पिक बाईपास का उपयोग सहजता से करते हैं। बोले जिम्मेदार क्षेत्र की सभी सड़कें,संपर्क मार्ग चुस्त दुरुस्त रहें इस हेतु सरकार का पूर्ण प्रयास है।उक्त संपर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की बात संज्ञान में आई है।संबंधित विभाग को मरम्मतीकरण हेतु पत्र लिखा जायेगा।आवश्यकता पड़ी तो अन्य जनप्रतिनिधियों से भी प्रस्ताव भिजवाया जायेगा। विपिन्द्र सिंह पटेल,ब्लॉक प्रमुख,फूलपुर उक्त संपर्क मार्ग में गड्ढे होने,पटरियों के टूटे होने व सड़क की उखड़ी होने की जानकारी हुई है संबंधित विभाग को अवगत कराकर निस्तारण कराने का प्रयास होगा। डा. विनोद बिन्द,सांसद,भदोही

हमारी भी सुनें

मैलहन बाजार-कोनार बाजार संपर्क मार्ग की चौड़ाई लगभग तीन मीटर की है वह भी जीर्ण शीर्ण हालात है। आवश्यकता तो इस बात की है कि इसका पूर्ण जीर्णोद्धार हो और चौड़ीकरण भी किया जाय। -कमलेश मिश्रा कोनार बाजार से लेकर मैलहन बाजार तक कई इंटर कालेज हैं जिसमें प्रतिदिन छात्रों और अध्यापकों का आवागमन होता है।गड्ढों और ऊबड़ खाबड़ रास्ता होने के कारण वाहन सतर्कता के साथ चलाना होता है। मार्ग का मरम्मतीकरण बहुत आवश्यक है। -पंकज कुमार यह संपर्क मार्ग मेहंदीपुर, मैलवन, चिटहा आदि गाँवों का प्रमुख संपर्क मार्ग है। रोज सैकड़ों यात्रियों की आवाजाही है।सड़क की मरम्मत हो इस हेतु जनप्रतिनिधियों के समक्ष प्रकरण रखा जायेगा। -राम सजीवन मैलहन और कोनार दोनों ही क्षेत्र की पुरानी बाजरे हैं इस कारण बड़े वाहनों का आवागमन ज्यादा है। उसकी बनिस्बत इसकी चौड़ाई कम है जिसे बढ़ाई जानी चाहिये ताकि दो बड़े वाहन आसानी से पार हो सकें। -दिनेश कुमार इस संपर्क मार्ग से एक बड़ी आबादी जुड़ी हुई है। ऐसे में सड़क का खस्ताहाल होना चिंताजनक है। जनप्रतिनिधियों को स्वतः संज्ञान लेकर इसका पुनरोद्धार कराना चाहिए। -फूलचंद्र सड़कें टूटी फूटी और खस्ताहाल हो तो यात्रा दुष्कर हो जाती है। उस पर यदि साइकिल, दो पहिया वाहन से सामान लादकर ले जाना रहे तो और भी कठिनाई हो जाती है। सरकार ने सड़कों पर बहुत कार्य किया है। इस पर भी काम होना चाहिए। -अनिल गौड़ ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें जब ऊबड़ खाबड़ होती है तो किसानों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।जिसका प्रभाव कृषि कार्य पर पड़ता है।उक्त संपर्क मार्ग का पुनर्निर्माण होना चाहिये। -हिमांशु दुबे गांव के मुख्य संपर्क मार्ग का आधा हिस्सा जो कि कई वर्षों से क्षतिग्रस्त है। उसका मरम्मत होना अति आवश्यक हैं क्योंकि इससे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है। -रोहित भोजवाल मैलहन-कोनार के मार्ग का ढंग से मरम्मतीकरण होना चाहिये।इसके साथ ही जहाँ जहाँ कीचड़ ज्यादा जमा रहता है वहाँ ढंग से पानी की निकासी की व्यवस्था भी की जानी चाहिये। सड़क ऊंची हो। -राजेश गुप्ता मैलहन-कोनार मार्ग पर जहाँ जहाँ कीचड़ और पानी इकड्डा होता है उतनी दूरी आरसीसी सड़क का निर्माण हो या फिर थोड़ी ऊंचाई बढ़ाई जाय। -बब्लू सोनी

# मुस्लिम महिला से शादी करने वाले भाई से बहन डरी, बताया कैसे हुई एक बहन की मौत और अब...

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में एक भाई ने मुस्लिम महिला से शादी कर ली तो बहन को अपनी जान का खतरा हो गया। कैंट थाना क्षेत्र में धर्म परिवर्तन को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है।

आरोप है कि एक युवक मुस्लिम महिला से शादी के बाद अपने परिवार पर धर्म बदलने का दबाव डाल रहा है। युवक की बहन ने मुकदमा दर्ज कराया है। उसने कहा कि उनकी एक बहन भी भाई की हरकतों के कारण मरी है।

ऊंचवागढ़ी राजापुर निवासी राहुल कुशवाहा की छोटी बहन रीतिका कुशवाहा की तहरीर के मुताबिक, वह 2021 में बमबाजी के एक मामले में दारागंज से जेल भेजा गया था। वहीं उसकी मुलाकात एजाज से हुई। जमानत पर रिहा होने के बाद राहुल ने एजाज की पत्नी रुबीना और दो बच्चों को अपने घर ले आया और उससे शादी कर ली। इसके बाद राहुल का व्यवहार बदल गया। उसने घर के सदस्यों पर धर्म बदलने का दबाव बनाने लगा।

रीतिका का आरोप है कि राहुल उसे जबरन मजारों पर ले जाता। उस पर मुस्लिम युवक से शादी करने का दबाव बनाता है। विरोध करने पर वह और रुबीना उसके साथ मारपीट करते हैं। तंग आकर वह 29 जुलाई को बड़ी बहन के साथ थाने जाकर पुलिस अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई। इस संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त अभिजीत कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर रुबीना को गिरफ्तार किया है। राहुल की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगी हैं।

लगाया आरोप, राहुल के कारण ही बहन की मौत हुई रीतिका ने एक और आरोप लगाया है। उसके मुताबिक उसकी बहन राधिका की मौत इसी दबाव के चलते हुई। राधिका बीमार हुई तो राहुल इलाज कराने की बजाए उसे मजारों पर और मौलवियों के पास ले जाता रहा।

यह सब एक साल तक चलता रहा। 29 मई 2024 को राधिका की मौत हो गई। रीतिका ने आशंका जताई है कि राहुल उसकी भी जान ले सकता है।

# 400 करोड़ का बजट, छात्राओं को स्कूटी का इंतजार

प्रयागराज। उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्राओं को स्कूटी देने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को लेकर पांच महीने बाद भी ठोस पहल का इंतजार है। मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार ने रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की घोषणा की थी। इसके लिए सरकार ने 20 फरवरी को 400 करोड़ के बजट का प्रावधान किया था। पात्रता मानदंड और चयन प्रक्रिया के साथ ही स्कूटी की विशिष्टताएं निर्धारित करने के लिए 11 मार्च में दो अलग-अलग कमेटियां गठित की गई थी। हालांकि समिति गठित होने के चार महीने बाद भी कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस योजना के तहत छात्राओं की परिभाषा, पात्रता के मानदंड एवं चयन के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) और पीएम ऊषा के निदेशक शिपू गिरि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति बनी थी। वहीं स्कूटी की विशिष्टियों के निर्धारण के लिए उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय तकनीकी विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। योजना के केंद्र बिंदु में ग्रामीण इलाके की छात्राएं इस महत्वाकांक्षी योजना का सर्वाधिक

लाभ ग्रामीण इलाके की छात्राओं को होगा। अमूमन छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए घर से दूर कॉलेज जाना पड़ता है, विशेषकर ग्रामीण इलाके की छात्राओं को रोजाना कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्कूटी की सहायता से छात्राओं को घर से कॉलेज आने-जाने में आसानी होगी और समय भी बचेगा, जिसका उपयोग वह अन्य कौशल शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी।

# दो दशक से घिस रहे चप्पल, नहीं मिला भूखंड पर कब्जा

प्रयागराज। केस-01 मनोज कुमार श्रीवास्तव ने पीडीए के नीमसराय आवास योजना में 112.50 वर्ग मीटर का प्लॉट 2005 में खरीदा था। वह आज भी आवास योजना में प्लॉट पर कब्जा लेने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण का चक्कर काट रहे हैं। केस-02 पीके त्रिपाठी ने भी 2005 में ही पीडीए की आवास योजना में लगभग 150 वर्ग मीटर का भूखंड खरीदा। पीडीए के अधिकारी दो दशक से पीके त्रिपाठी को भूखंड पर कब्जा देने का आश्वासन दे रहे हैं। प्लॉट कब तक मिलेगा, अधिकारी बताने को तैयार नहीं हैं। मनोज कुमार श्रीवास्तव और पीके त्रिपाठी की तरह शहर में ऐसे तमाम लोग हैं, जिन्होंने प्रयागराज विकास प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में प्लॉट खरीदा, लेकिन कब्जा नहीं मिला। प्लॉट खरीदने के बाद लोग दो दशक से पीडीए के चक्कर काट रहे हैं। अफसर यह भी बताने को तैयार नहीं कि कब प्लॉट देंगे। मनोज कुमार श्रीवास्तव ने आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान को बताया कि पीडीए ने 30 मई 2005 को भूखंड संख्या एएम-104 का आवंटन किया। तब किसी कारणवश पीडीए भूखंड पर कब्जा नहीं दे पाया। नीमसराय आवास योजना में भूखंड पर कब्जा देने में विफल पीडीए ने मिशन संगम के तहत अन्य आवास योजना में जमीन देने का विकल्प दिया। 30 जनवरी 2021 को अन्य आवास योजना में भी भूखंड देने का विकल्प दिया। मनोज बताते हैं कि सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अन्य आवास योजना में भूखंड नहीं मिला। तब से लगातार पीडीए आश्वासन ही दे रहा है। पीके त्रिपाठ ने भी बताया कि अन्य आवास योजना में भूखंड मांग रहे हैं, लेकिन पीडीए देने को तैयार नहीं है। सीएम पोर्टल पर शिकायत की तो वहां से भी पीडीए को मामला सुलझाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद भी पीडीए के अधिकारी आश्वासन दे रहे हैं। मनोज कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि भूखंड आवंटन के दौरान ऐसा सब्जबाग दिखाया मानो तुरंत कब्जा देंगे।

## मेहनत से कमाइए खुशियां, समाज को लौटाना न भूलें: डॉ. नारायणन

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के दीक्षांत समारोह में इसरो प्रमुख एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने छात्रों को जीवन के मूल मंत्र बताए। उन्होंने कहा कि खुशियां कमाने के लिए कड़ी मेहनत करें और समाज को हमेशा कुछ लौटाने की भावना रखें। शिक्षा

केवल व्यक्तिगत प्रगति का साधन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। डॉ. नारायणन ने कहा कि प्रत्येक उपाधि के पीछे माता-पिता, शिक्षक, करदाता और पूरे समाज का योगदान है। इसलिए यह हम सबका नैतिक कर्तव्य है कि हम इस ऋण को चुकाया जाए। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि 1950 में जहां अन्न उत्पादन 50 मिलियन टन था, वहीं आज यह 250 मिलियन टन से अधिक हो चुका है। साक्षरता दर 12 प्रतिशत से बढ़कर 79.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है और देश की जीडीपी 2.7 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 135.13 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि युवा ऊर्जा और नवाचार के साथ काम करें तो 2047 तक भारत निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। समारोह में कुल 46 स्वर्णपदक प्रदान किए गए, जिनमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पूर्व छात्र एवं उद्योग प्रायोजित पदक शामिल थे। इस अवसर पर कुलसचिव अंबक कुमार राय, डीन रिसर्च प्रो. शिवेश शर्मा सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।

## ननद के जबरन धर्मांतरण की कोशिश में महिला गिरफ्तार

प्रयागराज। कैंट थाने की पुलिस ने एक महिला को जबरन अपनी ननद का धर्मांतरण कराने और गैर समुदाय में शादी कराने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया। महिला का पति फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, राजपुर निवासी ऋतिका कुशवाहा ने अपने भाई राहुल कुशवाहा और भाभी रुबिया कुशवाहा जबरन धर्म परिवर्तन कराने और गैर समुदाय में शादी कराने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि विरोध करने पर मारपीट की जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शनिवार की रात दबिश देकर आरोपी रुबिया कुशवाहा को गिरफ्तार किया। रुबिया ने पूछताछ में बताया कि वह अपने पति के साथ मिलकर अपनी ननद का विधि विरुद्ध तरीके से जबरन धर्म परिवर्तन कराकर अन्य संप्रदाय में शादी कराना चाहते थे। इसके लिए ये दोनों लोग मिलकर रिश्ता भी देख रहे थे। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उसके पति की तलाश की जा रही है।

## सदस्यता के बाद होगा चुनाव का नामांकन

प्रयागराज। पंचायती संत रविदास ट्रस्ट के त्रिवार्षिक चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। ट्रस्ट ने चुनाव से पहले कई स्तर पर प्रक्रिया पूरी करने का निर्णय लिया है। तीस अगस्त तक ट्रस्ट की सदस्यता के लिए अभियान चलाया जाएगा। उसके बाद नौ सितंबर को सदस्यों की मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। दस सितंबर से लेकर चार दिनों तक प्रत्याशियों का नामांकन कराया जाएगा। पंद्रह सितंबर को प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन होगा।

### एसबीआई ने राष्ट्रीय शिशु विद्यालय के निर्धन विद्यार्थियों को बांटे स्कूल यूनिफार्म

## भारत की एकता को अक्षुण्ण बनाए रखना हैः अनुग्रह सिंह

प्रयागराज। देश की आजादी बहुत शहादत के बाद मिली है, इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है उक्त विचार पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह ने राष्ट्रीय शिशु विद्यालय में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के उपरांत स्कूली बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कही। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, प्रयागराज अंचल के प्रस्ताव स्वरूप, भारतीय स्टेट बैंक प्रशासनिक कार्यालय,

प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय – द्वितीय की शाखा गुरु तेज बहादुर नगर द्वारा मम्फोर्डगंज स्थित राष्ट्रीय शिशु विद्यालय एवं महिला शिल्प कला प्रशिक्षण केंद्र में पढ़ने वाले आर्थिक रूप रूप से कमजोर मेधावी छात्र, छात्राओं को स्कूल यूनिफार्म वितरित किया गया। विद्यालय प्रबंध कमेटी के वाइस चेयरमैन एल के अहेरवार ने एस बी आई के द्वारा विद्यालय में पढ़ने वाले गरीब मेधावी बच्चों को की गई सहायता के स्कूल प्रबंध कमेटी की ओर से आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, प्रयागराज की मुख्य प्रबन्धक मानव संसाधन, एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक सुरेश कुमार पाण्डेय, प्रांजली पाण्डेय, क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय की प्रबन्धक मानव संसाधन, कुमारी श्वेता, मुख्य प्रबन्धक (ऋण), भानुप्रकाश मिश्रा, शाखा गुरुतेग बहादुर नगर की प्रबन्धक दीपा एम कंदुलाना एवं भारतीय स्टेट बैंक, अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, प्रयागराज अंचल के उप महासचिव व सर्किल अध्यक्ष आशा राम एवं अध्यक्ष अजय कुमार सहित संघ के अन्य पदाधिकारी, बैंक अधिकारी व प्रबंध समिति के राहुल नाथ, प्रत्युष सिंह, प्रधानाध्यापक छोटेलाल कुशवाहा, रचना त्रिपाठी, सुशीला, अरूणामयी होर, रागिनी कुशवाहा, रविता, अंकिता चौरसिया सहित सभी स्टाफ एवं छात्रों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

## नाजरेथ अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

### नवीकृत एक्स-रे विभाग का उद्घाटन

प्रयागराज। नाजरेथ अस्पताल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभसुबह 8रू30 बजे हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लुईस मस्करेन्हास, बिशप, इलाहाबाद धर्मप्रांत, उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में दुबई से श्री जॉन

बैपटिस्ट पेइस तथा श्रीमती रेश्मा कुटिन्हा समारोह में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण के पश्चात् नाजरेथ अस्पताल के नवीकृत एक्स–रे विभाग का उद्घाटन कर लोकार्पित किया। अस्पताल के चिकित्सक, स्टाफ तथा छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सिंग कॉलेज के गायन मण्डली द्वारा प्रार्थना गीत से हुई। इसके बाद नर्सिंग अधीक्षिका सिस्टर मॉन्सी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अशोक अग्रवाल एवं फादर इसिडोर ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया। गायन मण्डली ने देशभक्ति गीतः श्वतन की रक्षा करेंगे हमश् प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति की भावना से भर दिया।

अपने संबोधन में बिशप मस्करेन्हास ने कहा, श्हमारा देश तभी सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव करेगा, जब हम धर्म के आधार पर विभाजन करना बंद करेंगे और मानवता की भावना से लोगों की सेवा करेंगे। आइए, हम सब मिलकर अपने राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें।श् फादर विपिन और डॉ. आर.पी. शुक्ला ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। सिस्टर रोशनी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल देशभक्ति का संदेश देता है, बल्कि अस्पताल परिवार की एकता और सेवा भावना को भी दर्शाता है।

## पुलिस की गुंडाई,महिलाओं का गला घोंटकर जमीन पर पटका

### साड़ी तक खुल गई,कई ग्रामीण घायल

लखनऊ, संवाददाता। कन्नौज से हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आ रहा है। इसमें पुलिस और ग्रामीणों के बीच अच्छी खासी हाथापाई देखने को मिल रही है। घंटों चले बवाल में पुलिस और पत्रकारों समेत कई ग्रामीण घायल हो गए। बिजली के खंभे पर चढ़ा ब्रजेश नाम का एक बिजली कर्मचारी अचानक बिजली लाइन चालू होने पर करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। जिसके बाद उसके परिजनों ने युवक का शव पावर हाउस के सामने रखकर जबरदस्त हंगामा किया। ये बवाल इतना बढ़ गया कि इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना ठठिया थाना क्षेत्र के पुनगरा गांव की बताई जा रही है। पुनगरा गांव निवासी बृजेश शुक्रवार को पुनगरा गांव में बिजली के खंभे पर बिजली लाइन ठीक कर रहा था। जिस दौरान शटडाउन लेने के बाद अचानक बिजली आपूर्ति शुरू हो गई, वहीं फिर ये शख्स करंट के चपेट में आ गया और उसी दौरान इसने दम तोड़ दिया।

# एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

ताडेपल्लीगुडेम। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, ताडेपल्लीगुडेम में आज भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम के साथ मनाया और चिकित्सा शिक्षा एवं सामुदायिक आउटरीच में उल्लेखनीय प्रगति को परिलक्षित करने वाले कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। समारोह की शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ. आनंद कुमार पिंगली द्वारा पारंपरिक ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई। इसके उपरांत विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट योगदान देनेवालों को पुरस्कृत भी किया गया। इनमें विश्व हेपेटाइटिस दिवस पोस्टर प्रस्तुति, ष्स्वतंत्रता और होम्योपैथीष् विषयक भाषण प्रतियोगिता और ष्स्तनपान में निवेश जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निबंध लेखन प्रतियोगिता शामिल थी। इस विशेष विषय ने जन स्वास्थ्य पहलों में कॉलेज की सक्रिय भागीदारी को रेखांकित किया, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल, विश्व स्तनपान सप्ताह (1–7 अगस्त, 2025) के लिए हाल ही में संपन्न जागरूकता अभियान भी शामिल है। इन सभी कार्यक्रमों में भाग लेने वालों को विधिवत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह का एक प्रमुख आकर्षण स्तनपान सप्ताह के लिए जागरूकता अभियान–अंतर–टीम प्रतियोगिता थी, जिसका आयोजन अली शाह अकादमी और यूएआरडीटी के सहयोग से किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में सात टीमें शामिल हुई। जिनमें से प्रत्येक में संकाय, प्रशिक्षु और छात्र शामिल थे। समारोह का एक ऐतिहासिक क्षण कॉलेज की मासिक पत्रिका, ष्एएसआर लक्स साइंटिया होम्योपैथिकष् का उद्घाटन था, जो एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के सम्मानित संस्थापक अकुला श्री रामुलु की स्मृति को समर्पित था।

इस अवसर पर बोलते हुए, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली और चिकित्सा अधीक्षक ने कहा, ष्एएसआर लक्स साइंटिया होम्योपैथिकश का शुभारंभ हमारे संस्थान की जीवंत बौद्धिक भावना का प्रमाण है। यह छात्रों और शिक्षकों के लिए अपने नवीन विचारों और शोध को साझा करने, विद्वानों के ज्ञान कोआदान–प्रदान करने के साथ चिंतन की संस्कृति को बढ़ावा देने और वास्तव में श्होम्योपैथिक ज्ञान के प्रकाशश को मूर्त रूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा! हाल में स्थापित ऑनलाइन कोचिंग प्रोग्राम श्फंडामेंटा होम्योपैथिकाश को लेकर भी बेहद आशावान होने की जानकारी देते हुए अलीशा लर्निंग इंस्टीट्यूट फॉर स्कॉलरली एंड होम्योपैथिक एडवांसमेंट के साथ यह सहयोगात्मक प्रयास, विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। यह एक एकीकृत, व्यापक श्ज्ञान संवर्धनश अनुभव प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण का प्रतीक है जो मूलभूत समझ को मजबूत करता है और हमारे छात्रों को होम्योपैथी में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करता है।। विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के सभी पुरस्कार अली शाह इंस्टीट्यूट फॉर लर्निंग एंड स्कॉलरली होम्योपैथिक एडवांसमेंट द्वारा उदारतापूर्वक प्रायोजित किए गए, जो शैक्षणिक और छात्र विकास के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। समारोह में विशिष्ट अतिथि इस समारोह में उप–प्राचार्य डॉ. कलादी श्रीनिवास, अस्पताल प्रभारी डॉ. डी. साई राम, डॉ. बी. श्रीनिवास के साथ–साथ अन्य समर्पित संकाय सदस्यों, प्रशिक्षुओं और छात्रों ने प्रेरक भाषण दिए गए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## बाल विद्यालय ईश्वर शरण आश्रम, सलोरी एवं आदि हिंदू प्राथमिक विद्यालय, गल्ला बाजार द्वारा 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्सवः देशभक्ति और एकता का अद्भुत संगम

प्रयागराज। बाल विद्यालय ईश्वर शरण आश्रम, सलोरी एवं आदि हिंदू प्राथमिक विद्यालय, गल्ला बाजार द्वारा आज 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित प्रधानाचार्य, विद्यार्थियों सभी शिक्षक,अभिभावक और अतिथियों ने तिरंगे को सलामी दी और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित उद्यमी व समाजसेवी ऋतु कमल अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों, मूल्यों और एक सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प की याद दिलाता है। आज हम जिस स्वतंत्र भारत में जी रहे हैं इसके पीछे सैकड़ों वर्षों का संघर्ष और बलिदान छुपा हुआ है। 15 अगस्त 1947 को जब हमारा देश ब्रिटिश साम्राज्य से आजाद हुआ, तब यह हम सभी के लिए गर्व का दिन बन गया। इस दिन हम उन वीरों को याद करते हैं जिन्होंने हमारे देश की आज़ादी के लिए

अपनी जान दी। हम बच्चों का भी कर्तव्य है कि हम पढ़ाई में मेहनत करें, देश की सेवा करें और अपने देश का नाम रोशन करें। हमें अपने देश का सम्मान करना चाहिए और उसे और भी बेहतर बनाना चाहिए। आज इस महान दिन पर हम सब संकल्प लें कि हम अपने देश की सुरक्षा करेंगे, एक अच्छा नागरिक बनेंगे और हमेशा अपने देश का नाम ऊँचा करेंगे।

इसके बाद बाल विद्यालय ईश्वर शरण आश्रम, सलोरी के प्रधानाचार्य श्री सत्य प्रकाश तिवारी के निर्देशन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया जिससे वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

आदि हिंदू प्राथमिक विद्यालय, गल्ला बाजार के शिक्षकों श्री आनंद पांडेय व श्री अरुण गुप्ता के मार्गदर्शन में बच्चों ने इस अवसर पर समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम पेश किए।

अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ और सभी ने देश की प्रगति व एकता के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

## गीता बनाम संविधान पर अनिरुद्ध आचार्य के बयान पर भड़के एकनाथ महाराज, कहा ''संविधान को न मानने वाले बाबा देश के गुनहगार''

अयोध्या। जगतगुरु परमहंसाचार्य तपस्वी छावनी के उत्तराधिकारी एवं ओजस्वी फाउंडेशन के अध्यक्ष राजर्षि महंत एकनाथ महाराज ने अनिरुद्ध आचार्य द्वारा दिए गए "गीता बड़ी या संविधान बड़ा" वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाज़ी देश को जातिवाद, छुआछूत और ब्राह्मणवाद की ओर धकेलने का षड्यंत्र है।

एकनाथ महाराज ने स्पष्ट कहाकृ "अगर हिंदू कहे गीता संविधान से बड़ी है, मुस्लिम कहे कुरान संविधान से बड़ा है, और ईसाई कहे बाइबिल संविधान से बड़ा है, तो देश धर्म और मजहब से नहीं, बल्कि अराजकता से चलेगा। देश चलाने के लिए संविधान ही सर्वोच्च है, और यही सभी को समान अधिकार देता है।"

उन्होंने आरोप लगाया कि अनिरुद्ध आचार्य और ऐसे 'बाबा' समाज को गुमराह कर रहे हैं और देश में मनुस्मृति जैसी व्यवस्था लागू करने का सपना देख रहे हैं। "क्या ये लोग लौट आए? क्या महिलाएं फिर से चारदीवारी में कैद हों?" दृ

चाहते हैं कि फिर से छुआछूत, जातिवाद और वर्ण व्यवस्था एकनाथ महाराज ने सवाल दागा।

उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहाकृ "जो बाबा संविधान के खिलाफ बोलते हैं, वे न देश के प्रधानमंत्री को मानते हैं, न राष्ट्रपति, न मंत्री, न अधिकारी३ क्योंकि ये सभी संविधान से ही बने हैं। ऐसे लोगों को एक विमान में बैठाकर समुद्र में उतार देना चाहिए, ताकि देश का माहौल बिगाड़ने वाले खत्म हों।"

राजर्षि महंत ने कहा कि आज भारत में लोकतंत्र, समानता और मानवता की रक्षा संविधान से होती है, और कोई भी धार्मिक ग्रंथ या परंपरा संविधान से ऊपर नहीं हो सकती।

"इन बाबा लोगों का असली मकसद अपनी दुकान चलाना और समाज को भड़काना है, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे।" अपने इस बयान पर अगर अनिरुद्धचार्य ने माफी नहीं मांगी तो ओजस्वी फाउंडेशन पूरे देश में आंदोलन छेड़ेगा देश को बटने नहीं देगा देश को एक रखेगा।

# इंडियन आर्मी बैंड ने लुलु मॉल में दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय सेना के प्रतिष्ठित बैंड ने लखनऊ के लुलु मॉल में एक शानदार प्रस्तुति देकर देशभक्ति और मार्शल संगीत की जीवंत धुनों से मॉल के माहौल को भर दिया। मॉल के एट्रीअम में आयोजित इस कार्यक्रम ने बड़ी संख्या में खरीदारों और दर्शकों को आकर्षित किया, जो बैंड के असाधारण संगीत कौशल और अनुशासन के प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध हो गए। सेना के चल रहे आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा, इस प्रस्तुति का उद्देश्य सशस्त्र बलों और नागरिकों के बीच एक मजबूत संबंध को बढ़ावा देना था। अत्यधिक कुशल संगीतकारों से बने बैंड ने धुनों का एक विविध प्रदर्शन किया, जिसमें मार्शल धुनें, देशभक्ति गीत और लोकप्रिय बॉलीवुड नंबर शामिल थे, जो भारतीय सेना के भीतर बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिभा को प्रदर्शित करते थे। बैंडमास्टर ने कहा, ष्लखनऊ के लोगों के लिए प्रस्तुति देने का अवसर पाकर हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

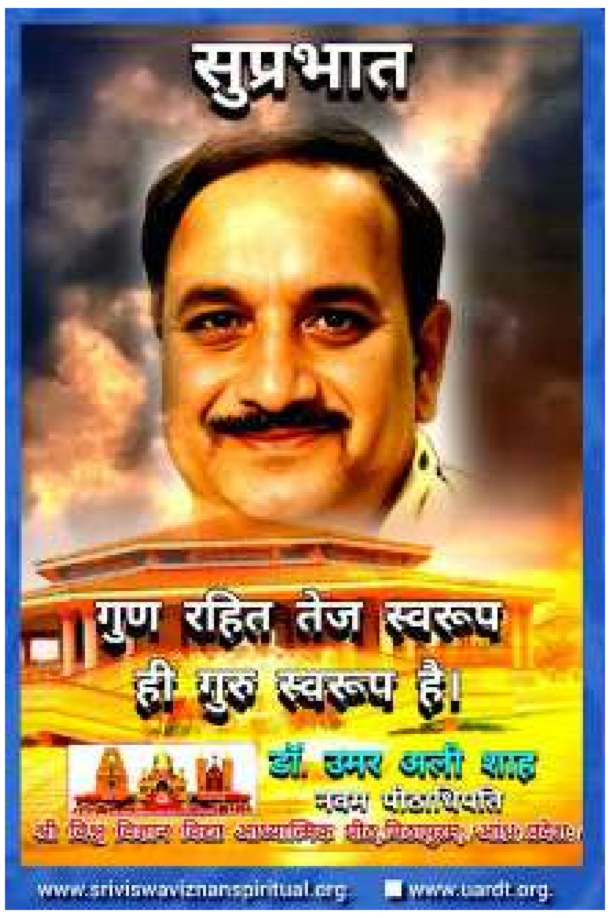


## नदियाँ झरने झील

मौसम के अनुरूप जब, बादल हों गतिशील।
धरती पर हर्षित हुए, नदियाँ झरने झील।
नदियाँ झरने झील,खेलती लहरें इनकी।
तटबन्धों की कैद,तोड़ मस्ती में थिरकी।
सुन लो कहें प्रदीप,न खोना अपना संयम।
पढ़ना बारिश–रंग,दिखाता है जो मौसम।।

पीकर सारे ताप को, मौसम के अनुरूप।
मेघ गरजते हैं कहीं, कहीं चमकती धूप।
कहीं चमकती धूप, धरा का बनकर जीवन।
संध्या में भी भोर, बने उत्सव का उपवन।
हँसकर कहें प्रदीप,निहारो जग को जीभर।
नदियाँ झरने झील, हरे हैं पानी पीकर।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## एकत्व की परिकल्पना भारतीय दर्शन का आधारः डॉ. अतुल कोठारी

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, राष्ट्रीय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं भारतीय भाषा ज्ञान के संयुक्त तत्त्वाधान में उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश विषयक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने अपने उद्बोधन में संस्कृत भाषा को भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने एकत्व की परिकल्पना को भारतीय दर्शन का आधार बताया।

उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् को मात्र सैद्धान्तिक ही नहीं वरन् व्यवहारिक रूप में भारत देश द्वारा अपनाने का वर्णन किया। अपने वक्तव्य में जहाँ उन्होंने भारत देश के यहूदियों के प्रति मानवतापूर्व व्यवहार की बात की वहीं पारसी समाज को संरक्षण देने के भारत के प्रयासों का उल्लेख भी किया। भारतीय ज्ञान

परम्परा को नवीन शिक्षा नीति में सम्मिलित करने को उन्होंने सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास बताया। उन्होने कहा कि पौर्वात्य तथा पाश्चात्य चिन्तकों द्वारा भारतीय चिन्तकों का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया है। यद्यपि भारतीय ज्ञान परम्परा में लगभग समस्त विषयों का समावेश है तथापि संस्कृत भाषा का दायित्व उन्होंने इस हेतु सर्वाधिक बताया। भारत देश में 32 प्रकार की शिक्षण पद्धतियों का वर्णन करते हुए उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था की सराहना की।

भारतीय विचारधारा की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि जो स्वास्थ्य के लिए एवं पर्यावरण के लिए अनुकूल है वो भारतीय है। भारतीय शिक्षा में आध्यात्मिकता का समावेश इसे सम्पूर्ण विश्व में अद्वितीय बनाता है। स्वामी विवेकानन्द का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने निस्स्वार्थ भाव से किसी कार्य को करना ही सच्चा अध्यात्म बताया।

इसके पूर्व परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने व्याख्यान के इस विशेष सत्र में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. अतुल कोठारी एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य क्षेत्र के सहसंयोजक श्री ओमप्रकाश शर्मा, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति डॉ. राजकुमार आचार्य, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के काशी प्रान्त अध्यक्ष एवं संयुक्त कुलसचिव मेजर (डॉ) हर्ष कुमार, मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं नराकास अध्यक्ष डॉ. प्रमोद द्विवेदी सहित न्यास के समस्त अन्य उपस्थित जनों, भारतीय भाषा ज्ञान के सदस्यों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संयोजन शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक एवं सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। संचालन श्री अंकित मिश्र, सहायकाचार्य एवं धन्यवाद ज्ञापन धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्तागण, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के पदाधिकारी सहित परिसरीय शैक्षिक अधिकारियों, कर्मचारियों समेत परिसरीय अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

## सम्पादकीय.......

# राहत का फैसला

सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उन वाहन मालिकों को राहत दी है, जिनके वाहनों के खिलाफ पहले कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। दरअसल, प्रदूषण संकट के मद्देनजर इन क्षेत्रों में दस वर्ष से अधिक के डीजल व पंद्रह वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय हुआ था। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने ऐसे वाहनों के मालिकों को राहत देते हुए अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट एनजीटी के निर्देश को बरकरार रखने वाले 29 अक्तूबर 2018 के फैसले को वापस लेने की मांग से संबंधित याचिका पर विचार कर रहा था। दरअसल, एनजीटी के आदेश के अनुरूप ही वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए थे। एनजीटी ने आदेशों के अनुपालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल का कोर्ट से आग्रह था कि दंडात्मक कदम रोकने के आदेश पर विचार किया जाए। कोर्ट ने इस बाबत चार सप्ताह में जवाब देने की बात कही है। दरअसल, दिल्ली सरकार की भी ऐसी मंशा थी, जिसने प्रतिबंध को अदालत में चुनौती दी थी। वास्तव में सत्ताधीशों को आशंका थी कि इस फैसले का व्यापक विरोध हो सकता है क्योंकि लोगों को औने—पौने दामों में महंगे वाहन बेचने को बाध्य होना पड़ता। जिससे उपजा आक्रोश ट्रिपल इंजन सरकार के लिये राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। कोर्ट का यह भी कहना था कि केंद्र सरकार व गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गंभीर अध्ययन करें ताकि अवधि आधारित प्रतिबंधों के मुकाबले उत्सर्जन आधारित मानदंडों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन हो सके। दरअसल, आम मध्यमवर्गीय परिवारों में कार का इस्तेमाल कम होता है और वे अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते वाहनों को लंबी अवधि तक बड़े कायदे से रखते हैं। उनका वाहन अधिक वर्षों तक चलता है लेकिन उसके उपयोग की अवधि कम होती है। निस्संदेह, एक आम भारतीय के लिए कार आत्मीय अहसासों का प्रतीक भी है, जिसे वह आमतौर पर जीवन में एक बार ही खरीद पाता है। ऐसे में आत्मीय अहसासों से जुड़ी कार को औने—पौने दामों में बेचना उसके लिये कष्टकारी है। वैसे भी आजकल तमाम लोग भीड़—भाड़ से बचने के लिये टैक्सी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में वाहन लंबे समय तक प्रदूषण रहित जीवन पा सकता है। दरअसल, दिल्ली सरकार का भी मानना था कि वाहनों की समय सीमा संबंधी नीति लागू करते वक्त इसके निर्माण वर्ष के बजाय वास्तविक इस्तेमाल के मानक पर विचार करें। दरअसल, दिल्ली सरकार ने जनाक्रोश के चलते इसे संवेदनशील विषय मानकर अपने नजरिये में बदलाव किया। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों व लोगों के रोष के मद्देनजर इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सका था। सरकार ने महसूस किया कि फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आई। जनाक्रोश के चलते राज्य सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस कार्रवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। फिर आयोग ने समीक्षा बैठक के बाद फैसले पर फौरी तौर पर रोक लगाई। वैसे भविष्य में भी इस फैसले पर यदि अमल होता है तो सरकार को वाहन मालिकों का गुस्सा झेलना होगा। दरअसल, इस सख्त फैसले से किसी वाहन के बचने की उम्मीद नहीं है। वास्तव में ये वाहन स्वामियों के लिये एक भावनात्मक मुद्दा बन चुका है। वे मानते हैं कि उन्होंने अपने वाहन की कायदे से मेंटेनेंस की है और उन्हें प्रदूषण न फैलाने के बावजूद सजा दी जा रही है।

# ऑपरेशन सिंदूर मनोरंजन के मंच पर

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*थल सेना, वायु सेना और नौसेना की तीनों अधिकारियों को हाल ही में सामने आए एक प्रोमो में शो के मेजबान अमिताभ बच्चन के साथ देखा गया, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर जैसे अहम सैन्य मिशन के अनुभव साझा कर रही हैं।*

कौन बनेगा करोड़पति यानी केबीसी के 17 वें सीजन का आगाज हो चुका है। 15 अगस्त को आने वाले केबीसी के एपिसोड में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और ले. कमांडर प्रेरणा देवस्थली को बतौर खास मेहमान बुलाया गया है। थल सेना, वायु सेना और नौसेना की तीनों अधिकारियों को हाल ही में सामने आए एक प्रोमो में शो के मेजबान अमिताभ बच्चन के साथ देखा गया, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर जैसे अहम सैन्य मिशन के अनुभव साझा कर रही हैं। अपनी सत्ता बचाने के लिए भारत की कोई निर्वाचित सरकार कितने निम्न स्तर पर भी गिर सकती है, यह उसकी ताजा मिसाल है। मोदी सरकार में पहली बार ऐसा नहीं हुआ है। पहले भी राजनैतिक शिष्टाचार, कूटनीति, सौहार्द्र आदि को धता बताकर श्रीमान मोदी ने कई ऐसे फैसले लिए या कार्य किए जिन पर विवाद उठे हैं। संसद में किसी महिला सांसद के लिए शूर्पणखा का संबोधन, पूर्व प्रधानमंत्री के लिए रेनकोट पहनकर नहाने जैसी मिसालें, विदेश जाकर यह कहना कि न जाने कौन से जन्म का पाप है कि भारत में पैदा होना पड़ा, विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से जबरदस्ती गले मिलना, पीठ थपथपाना, हाथ पकड़ना, बराक ओबामा को श्री ओबामा न कहकर सीधे बराक कहना, डोनाल्ड ट्रंप के लिए अमेरिका जाकर प्रचार कर लेना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बैठकर जबरन की भावुकता दिखाना या अपनी गरीबी का रोना रोना, ऐसे न जाने कितने कारनामे 11 सालों में देश ने देखे हैं। ऐसी हर (दुरू)घटना के बाद लगता कि अब इससे नीचे तो सरकार नहीं गिरेगी, लेकिन नरेन्द्र मोदी हैरान करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। 22 अप्रैल को हुआ पहलगाम हमला इस देश को मिला ऐसा जख्म है जिसके घाव भरने की जगह बार—बार उसे कुरेद कर नमक छिड़का जा रहा है। 26 नवंबर को मुंबई या 13 दिसंबर को संसद पर किए गए आतंकी हमलों समेत कई आतंकवादी घटनाएं देश में हुई हैं। जिन पर सरकारों को घेरा गया और सवाल भी उठे। कई हमलों में दोषियों को मारा गया, फांसी की सजा मिली या उन पर शिकंजा कसा गया। लेकिन कभी इस तरह पीड़ितों को मोहरा बनाकर राजनीति का शतरंज नहीं खेला गया। 6 और 7 मई की आधी रात को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरु हुआ, और चंद घंटों में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की खबर आई तो इस पर पूरे देश को संतोष हुआ कि एक बड़ी जवाबी कार्रवाई की गई है। लेकिन फिर इसमें न जाने कहां से डोनाल्ड ट्रंप आ गए, जिन्होंने दावा किया कि अब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हो गया है, क्योंकि मैंने दोनों देशों के नेताओं से कहा है कि हमें व्यापार करना है, इसलिए युद्ध बंद करो। अब तक शायद 35—36 बार ट्रंप यही दावा दोहरा चुके हैं और मई से लेकर अगस्त आधा निकलने तक नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप का नाम लेकर एक बार भी यह नहीं कहा कि यह दावा बेबुनियाद है और ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। विपक्ष ने नरेन्द्र मोदी से संसद में भी यही मांग की कि आप एक बार ऐसा कह दीजिए, लेकिन मोदीजी मुंह पर ऊंगली रखकर बैठे हुए हैं। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर जब भी बात करनी होती है, वे वीर रस की धाराएं बरसाने लगते हैं। मेरी रगों में गर्म सिंदूर है, लहू नहीं है। धरती के आखिरी कोने

तक जाकर आतंकियों को पकड़ेंगे। दुनिया ने नए भारत का चेहरा देखा है। और न जाने कितने किस्म के घटिया फिल्मी संवाद जैसी बातें प्रधानमंत्री के भाषणों का हिस्सा बनीं। मगर वे चारों आतंकी कहां हैं, ऑपरेशन महादेव में वही मारे गए हैं या कोई और, आतंकी पहलगाम तक पहुंचे कैसे, पर्यटकों की सुरक्षा के लिए वहां सुरक्षा बल क्यों नहीं था, ऐसे कई सवाल अब तक अनसुलझे हैं। इस बीच ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी प्रेस को देने के लिए जिन कर्नल सोफिया कु रैशी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उनके बारे में मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने कथित तौर पर बेहूदा टिप्पणी की थी कि, जिन आतंकवादियों ने हमारी माता—बहनों को सिंदूर देख कर मारा, उनके कपड़े उतारने मोदी जी ने उन्हीं की बहन को भेज दिया। इस बयान पर पूरे देश में खूब बवाल हुआ था। अदालत ने स्वतरू संज्ञान लेकर श्री शाह पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अभी 18 अगस्त को इस मामले पर अगली सुनवाई होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह के सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर कड़ी टिप्पणी की थी। अब अदालत से श्री शाह के लिए क्या फैसला आता है, यह तो बाद में ही पता चलेगा। लेकिन इस बीच नरेन्द्र मोदी, अमित शाह या जे पी नड्डा चाहते तो कर्नल सोफिया कुरैशी के सम्मान की खातिर ही विजय शाह पर कोई सख्त फैसला ले सकते थे। लेकिन यहां भी नरेन्द्र मोदी ने पहले सत्ता का फायदा देखा। चुनावी सभाओं से लेकर संसद तक और सड़कों पर लगे बड़े—बड़े होर्डिंग्स में ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर अपना नाम चमकाने की भरपूर कोशिश नरेन्द्र मोदी ने की। शायद इससे भी भाजपा को अपेक्षित लाभ नहीं मिला है तो अब कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और ले. कमांडर प्रेरणा देवस्थली को कौन बनेगा करोड़पति का हिस्सा बनाया गया है। जबकि यह पूर्णतरू एक व्यावसायिक और लाभकारी उपक्रम है। सरकार का दावा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, फिर किस तरह इससे जुड़े लोगों को किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। देश के इतिहास में अब तक किसी सैन्य मिशन के जारी रहते हुए इस तरह उसका व्यावसायीकरण नहीं किया गया था। लेकिन मोदी सरकार अपने प्रचार के लिए ऑपरेशन सिंदूर को मनोरंजन के लिए इस्तेमाल कर रही है। इसका पुरजोर विरोध होना चाहिए।

# धराली से किशतवाड़ तक तबाही, अपनी गलती के लिए प्रकृति को क्यों ठहराएं जिम्मेदार?

पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अब मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू—कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचौल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू—कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार—बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा

निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू—कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है। पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है।

# तकनीक के इस्तेमाल से पाएं कामयाबी का शिखर

यह तकनीकी क्रांति का युग है, तो हर जगह आपको तकनीक के साथ ही जीवन में आगे बढ़ना होगा। जहां तक कैरियर की बात है तो इस समय दुनिया में चौथी औद्योगिक क्रांति आ चुकी है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों से दूर रहकर या कटकर कैरियर में कामयाबी के शिखर पर नहीं पहुंच सकते। इसलिए अगर अपने कैरियर में नई ऊंचाइयां छूनी हैं तो तकनीक से जुड़ना ही समझदारी है। चाहे आपकी उम्र 24 साल हो या 44 साल, डिजिटल साक्षरता की योग्यता आपमें कैरियर को आगे बढ़ाने के लिए होनी ही चाहिए। यह किसी भी योग्यता के मुकाबले कहीं ज्यादा आवश्यक बन चुकी है। आज ई—मेल, गूगल वर्क प्लेस, एमएस ऑफिस, जूम, टीम्स आदि की जानकारी के बिना पेशे में कामयाबी के पहले पायदान पर चढ़ना भी संभव नहीं है। चाहे आप शिक्षक हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, वकील हों या फिर चाहे आप किसान ही क्यों न हों, अगर अपने क्षेत्र में कामयाब होना चाहते हैं तो इस इंटरनेट का इस्तेमाल करना आपको आना ही चाहिये। ऐसा नहीं करेंगे तो आप दूसरों से पिछड़ जाएंगे, क्योंकि तकनीक का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो आपके काम की रफ्तार तकनीक का इस्तेमाल करने वालों की बराबरी नहीं कर पायेगी। वहीं इंटरनेट के स्मार्ट इस्तेमाल के बिना क्लाइंट और सहकर्मियों से बेहतर संवाद नहीं कर सकते। इंटरनेट में दक्ष हुए बिना आप मल्टी टॉस्किंग नहीं कर सकते। जबकि मल्टी टॉस्किंग आज जरूरी है। आपने चाहे जितनी पढ़ाई की हो, लेकिन यदि आपके पास टेक्नोलॉजी की स्किल नहीं हैं तो आपकी एजुकेशन काम की नहीं। कैरियर में तेजी से आगे बढ़ने के लिए रोजमर्रा के कामकाज की टेक्नोलॉजी से जुड़ी स्किल आपमें होनी ही चाहिए। ऐसी जरूरी स्किल हैं—डाटा एनालिसिस— अगर आप इंटरनेट के जरिये तेजी से डाटा एनालिसिस नहीं कर पाते यानी एक्सल, पॉवर बीआई, एसक्यूएल और पाइथन जैसी स्किल्स आपमें नहीं हैं, तो आपके प्रमोशन में दिक्कत आ सकती है। क्योंकि इन स्किल्स के बिना आजकल आप बेहतर निर्णय ले ही नहीं सकते। कोडिंग— एचटीएमएल, टीएसएस, जावा स्क्रिप्ट और पाइथन जैसी भाषाएं सीखना तकनीक आधारित कैरियर्स के लिए अनिवार्य है। इनके बिना आगे बढ़ना संभव नहीं। एआई और मशीन लर्निंग— आने वाले समय में हर क्षेत्र में एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल होगा। हेल्थ केयर से लेकर कृषि तक। इसलिए एआई और मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी में दक्षता हासिल करनी ही होगी। डिजिटल मार्केटिंग— सोशल मीडिया, एसईओ, कंटेंट मार्केटिंग जैसे कौशल, आज के हर व्यवसाय की रीढ़ हैं। बिना डिजिटल मार्केटिंग में पारंगत हुए आप मार्केटिंग के क्षेत्र में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए अगर मार्केटिंग में हैं या कैरियर बनाना चाहते हैं तो जल्दी ही डिजिटल मार्केटिंग में दक्षता हासिल कर लीजिए। ब्लॉक चेन और साइबर सुरक्षा— अगर बैंकिंग, फाइनेंस, लॉ जैसे क्षेत्र में अपना कैरियर सुरक्षित करना चाहते हैं तो ब्लॉक चेन और साइबर सुरक्षा में टेक्नोलॉजिकल दक्षता लगभग शानदार कैरियर की गारंटी है। अपने कार्य के लिए जरूरी तकनीकों में दक्षता हासिल करके आपके नौकरी लगने और प्रमोशन की संभावना सौ फीसदी तक बढ़ जाती है। वहीं आपका वेतन पहले के मुकाबले डेढ़ से दो गुना तक आसानी से बढ़ सकता है। इन तकनीकों में दक्ष होने के बाद आपके सामने फ्रीलासिंग में पूरी दुनिया की संभावनाएं मौजूद होंगी। वह दौर गया जब हम अपने शहर को कोसा करते थे कि हमारे शहर में ये सुविधा नहीं है या हमारी पहुंच ऐसे संस्थानों तक नहीं है। यह ऑनलाइन का जमाना है। अब हर

संभावना ऑनलाइन के जरिये आपके दरवाजे तक नहीं बल्कि आपकी अंगुलियों तक आ चुकी है। कैरियर में आगे बढ़ने के लिए जिन बुनियादी तकनीकों में दक्षता हासिल करने की जरूरत होती है, उन्हें आप बिना किसी इंस्टीट्यूट में गये, महज अपने मोबाइल की बदौलत दुनिया के बेस्ट से बेस्ट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कोरसेरा, ईपीडीएक्स, उडेमी, स्किल शेयर, अकेडमी, गूगल स्किल सॉफ्ट, यू—ट्यूब जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स मौजूद हैं। ये कोर्स करके आप समय के साथ कई तरह की तकनीक में दक्ष हो जाएंगे और अपनी कंपनी के लिए महत्वपूर्ण एसेट साबित होंगे। घर बैठे इंटरनेशनल स्तर की शिक्षा और वोकेशनल कोर्स मौजूद हैं तो इनका फायदा उठाएं। जब आपके सीवी में ये स्किल्स मौजूद होंगी तो आप प्रतिस्पर्धा में आगे रहेंगे। आज की वर्किंग कल्चर में तकनीक की भरपूर भागीदारी ने दूरस्थ क्षेत्रों में भी कैरियर के ग्लोबल अवसर पहुंचा दिये हैं। तकनीक ने भौगोलिक दूरियां मिटा दी है। आप हिंदुस्तान के किसी गांव में रहते हुए भी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के क्लाइंट्स के लिए काम कर सकते हैं। आपका पारिश्रमिक आपके खाते में पहुंच जायेगा। बस आपको इसके लिए ये करना होगा— अगर फ्रीलांस हैं तो अपवर्क, फ्रीलांसर, फाइवर, जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अपनी स्ट्रांग प्रोफाइल बनानी होगी। भाषा, टाइम जोन और टूल्स विशेष का ज्ञान हासिल करना होगा। अच्छी इंटरनेट सुविधा भी जरूरी होगी। इन सुविधाओं की बदौलत आपको आमदनी के अनेक स्रोत हासिल होंगे। विदेशों की कंपनियों में घर बैठे ही काम करने के कई महत्पूर्ण मौके मिलेंगे। तकनीकी के इस युग में कैरियर संबंधी दक्षता हासिल करनी है और कामयाबी के शिखर पर पहुंचना है, तो यह विभिन्न कामकाजी तकनीकों से जुड़कर ही हो सकता है, इनसे कटकर नहीं। दरअसल, तकनीक का रिश्ता अब केवल इंजीनियरों से ही नहीं रहा, हर फील्ड में कामयाबी पाने का जरूरी जरिया बन गया है।

# दिशा पाटनी ने शेयर कीं बोल्ड तस्वीरें, अदाएं देख बढ़ी फैंस के दिलों की धड़कनें

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस दिशा पाटनी एक बार फिर अपनी नई तस्वीरों के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई हैं। फिल्मों से ज्यादा दिशा अपने हॉट लुक्स और स्टाइलिश फोटोशूट्स के लिए जानी जाती है। दिशा पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कीं, जिन्होंने तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस वह ब्लैक एंड व्हाइट थीम में नजर आ रही हैं।

दिशा ने ब्रालेट और लॉन्ग स्कर्ट पहनी है और उनका स्टाइल काफी बोल्ड दिखाई दे रहा है। एक तस्वीर में दिशा स्कर्ट को हल्का नीचे की ओर खिसकाते हुए पोज दे रही हैं, जिससे उनका कर्वी फिगर साफ नजर आ रहा है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद बोल्ड लग रही है। दिशा के इस फोटोशूट ने फैंस के दिल की धड़कनें तेज कर दी हैं। फैंस जमकर इन तस्वीरों को लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। काम की बात करें तो दिशा पाटनी को हाल ही में साउथ सुपरस्टार सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब दिशा निर्देशक विशाल भारद्वाज की फिल्म अर्जुन उस्तरा में नजर आएंगी, जिसमें शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। इस फिल्म में दिशा एक कैमियो रोल निभा रही हैं। बता दें कि दिशा पाटनी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म एमएस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी से की थी, जिसमें उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था।

> “ दिशा पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कीं, जिन्होंने तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस वह ब्लैक एंड व्हाइट थीम में नजर आ रही हैं। दिशा ने ब्रालेट और लॉन्ग स्कर्ट पहनी है और उनका स्टाइल काफी बोल्ड दिखाई दे रहा है।

## काइली और बेला हदीद संग हैली बीबर की आउटिंग, लेटेस्ट तस्वीरों में किलर फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं हसीनाएं

पॉप स्टार जस्टिन बीबर की पत्नी हैली बीबर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में हैली को अपनी दोस्तों के साथ शाम बिताते हुए देखा गया। इस दौरान हैली के साथ काइली जेनर और बेला हदीद भी थीं। लुक की बात करें तो हेली ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का–डॉट ड्रेस में अपना किलर फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं। हैली रेस्तरां पहुंचते समय काइली का हाथ थामे मुस्कुरा रही थीं। जस्टिन की वेडिंग रिंग उनके बाएं हाथ में बाकी एक्सेसरीज के साथ चमक रही थी। मिनिमल मेकअप और शेड्स हेली के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। वहीं बेला ने अपने सुपरमॉडल फिगर को एक टाइट–फिटिंग ब्लैक कॉकटेल ड्रेस में सजाया, जिसमें स्क्वायर नेकलाइन थी और जिसकी हेमलाइन घुटनों से थोड़ी नीचे तक थी। अपने नए ब्लॉन्ड बालों को सलीके से अपडू में बांधकर, उन्होंने लुक को एक कफ ब्रेसलेट के साथ पूरा किया, जो उनकी एक बांह पर बीच तक पहना हुआ था। दूसरी ओर काइली पूरी तरह से एक बोल्ड अंदाज में नजर आईं। उन्होंने एक पीकाबू ब्लैक ड्रेस पहनी थी जिसमें उनका क्लीवेज और टोंड मिडरिफ साफ झलक रहा था। फैंस हसीनाओं की ये तस्वीरें काफी पसंद कर रहे हैं।

## भारत का पहला एआई रॉक बैंड त्रिलोक और सुनो के बीच साझेदारी, 2025 के अंत तक नया संगीत

कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क ने अपने एआई बैंड त्रिलोक और दुनिया के प्रमुख एआई म्यूजिक प्लेटफॉर्म सुनो के बीच एक नई साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत त्रिलोक सुनो के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी कार्य करेगा। यह साझेदारी त्रिलोक की रचनात्मक दिशा और मौलिक रचनाओं को सुनो के विकसित म्यूजिक–प्रोडक्शन साधन के साथ जोड़ती है, जिससे संगीत की रचना, निर्माण और उच्च गुणवत्ता संभव होगी। अपनी शुरुआत से, त्रिलोक ने ऐसा संगीत पेश किया है जो भक्ति–आधारित विषय को समकालीन धुनों के साथ मिलाता है, पारंपरिक कहानियों और सुरों को नए श्रोताओं तक पहुंचाता है। सुनो के साथ साझेदारी इस सफर में नई संभावनाओं के द्वार खोलती है। अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक–टेक जगत में सुनो की मजबूत मौजूदगी त्रिलोक की धुनों को भारत से कहीं आगे, दुनिया भर के श्रोताओं तक ले जाएगी। वहीं, कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क का भारत के संगीत और सांस्कृतिक जगत में गहरा समूह एआई–आधारित संगीत को देश में और अधिक श्रोताओं और दिलों तक पहुंचाने में मदद करेगा।कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के संस्थापक और समूह सीईओ विजय सुब्रमणियम ने कहा, "त्रिलोक एक छोटे से प्रयोग के रूप में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य परंपरा और तकनीक को जोड़ना था, और यह आज उससे कहीं आगे बढ़ चुका है। सुनो के साथ साझेदारी इस यात्रा को एक नए मुकाम पर ले जा रही है, जिससे हमारा संगीत वैश्विक दर्शकों तक पहुंचेगा। यह सहयोग मेरे लिए गर्व की बात हैकृएक ऐसा प्रयास जो संगीत की आत्मा को बरकरार रखते हुए दुनिया भर के लोगों को इससे जोड़ने के नए रास्ते खोलता है।"सुनो के चीफ म्यूजिक ऑफिसर पॉल सिनक्लेयर ने कहा, "हम दुनिया भर के संगीतकारों के साथ काम करने के लिए सौभाग्यशाली हैं, ताकि उनके दृष्टिकोण औरकल्पना को हकीकत में बदला जा सके। त्रिलोक नए रचनात्मक साधन का इस्तेमाल करके संगीत की कहानी कहने को रोमांचक दिशा में आगे बढ़ा रहा है, जहां विरासत और नवाचार का संगम पहले कभी संभव नहीं था। साथ ही, वे कलाकार और श्रोताओं के बीच एक सच्चा रिश्ता बना रहे हैं, जिससे सहयोग के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।" सुनो के साथ त्रिलोक की पहली रिलीज 2025 के अंत में आने वाली है।

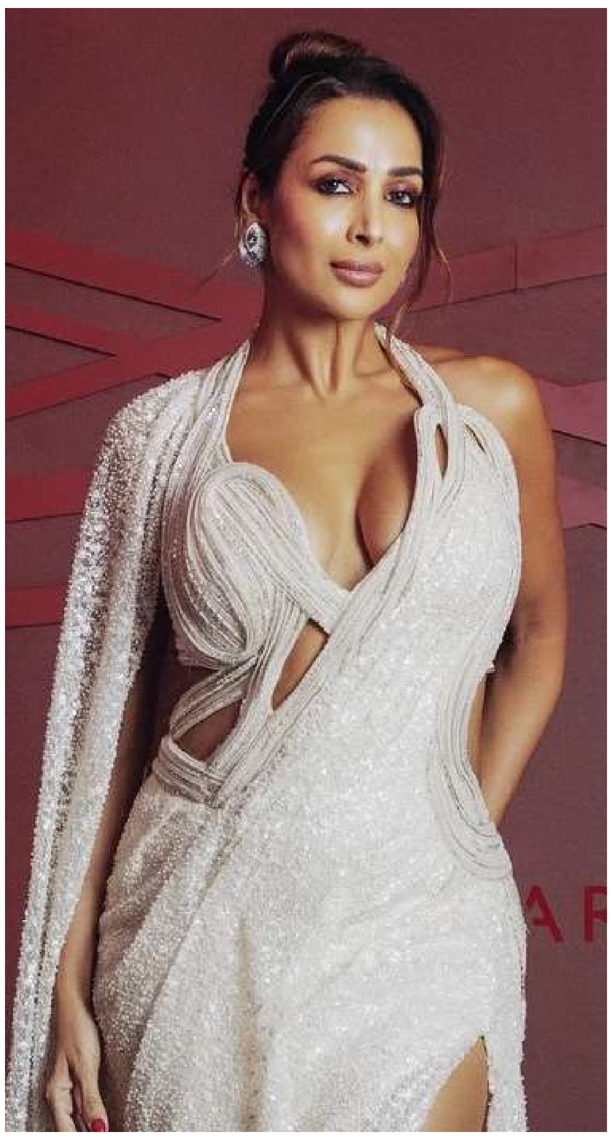

## कम उम्र में ही बन गई थी ज्यादा जिम्मेदार, मलाइका अरोडा ने बताया सिंगल मदर की परवरिश का असर

मशहूर टेलीविजन हस्ती मलाइका अरोडा ने हाल ही में अपने बचपन, अपनी बहन अमृता अरोडा और एक सिंगल मदर के रूप में अपनी मां जॉयस पॉलीकार्प की परवरिश के बारे में भावुक होकर बात की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां की मेहनत ने उन्हें बचपन से ही श्बहुत जिम्मेदारश बना दिया। मलाइका ने अपनी मां की तारीफ करते हुए कहा कि जॉयस ने बहुत मेहनत की और यह सुनिश्चित किया कि हमें हर जरूरी चीज मिले। उनके अनुसार, चाहे अच्छी शिक्षा हो, पौष्टिक भोजन हो या पहनने के लिए कपडे, उनकी मां ने कभी कोई कमी नहीं होने दी। मलाइका ने बताया, श्मेरी मां के काम करने की वजह से मैं ज्यादा जिम्मेदार बन गई। बहुत कम उम्र में ही मुझे लगा कि मैं ऐसी स्थिति में हूं जहां मुझे जिम्मेदार होना चाहिए।श उन्होंने बताया कि कैसे वह अपनी छोटी बहन अमृता अरोडा की देखभाल करने वाली व्यक्ति बन गई और समय से पहले ही परिपक्व हो गईं। इस जिम्मेदारी ने उनके व्यक्तित्व को बहुत प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू किया, तो उनका पूरा ध्यान पैसे कमाने, उन्हें बचाने और सही जगह निवेश करने पर था। उन्होंने माना कि यह आदत उन्हें अपनी मां की परवरिश से मिली, क्योंकि सिंगल मदर के बच्चों में कुछ श्असुरक्षाओंश के साथ बडे होने का एहसास होता है। मलाइका ने अपनी मां की सराहना करते हुए कहा कि जॉयस ने कभी उन्हें निराश नहीं किया। उन्होंने कभी नहीं कहा कि तुम ये नहीं कर सकते।

## रामायण में हनुमान बनने पर घबराए सनी देओल , बोले- डर तो लगता है, रणबीर कपूर की जमकर की तारीफ

अभिनेता सनी देओल ने हाल ही में नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म रामायण में अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की है। जूम को दिए एक इंटरव्यू में, सनी ने फिल्म में भगवान हनुमान के अपने किरदार और अपने सह–कलाकार रणबीर कपूर की भी जमकर तारीफ की। सनी ने बताया कि उन्होंने अभी तक फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं की है, लेकिन वह जल्द ही इसकी शुरुआत करेंगे।

घबराहट तो होती है, भगवान हनुमान के किरदार पर बोले सनी

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सनी ने इसे श्रोमांचक, मजेदार, शानदार और खूबसूरतश बताया। उन्होंने इस बडे किरदार को निभाने के डर और घबराहट पर भी बात की। उन्होंने कहा, देखिए, घबराहट या डर तो होता ही है। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है, क्योंकि आपको सोचना होता है कि आप इस चुनौती का सामना कैसे करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि निर्माता अमित इस काम को बखूबी कर रहे हैं। सनी देओल को उम्मीद है कि रामायण हॉलीवुड की फिल्मों की तरह शानदार होगी। उन्होंने कहा, जिस तरह से वे अलौकिक चीजों और प्रभावों को पर्दे पर उतारने जा रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि उंगलियां क्रॉस कर ली गई हैं – वे हॉलीवुड से कमतर नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यह फिल्म बडे पर्दे पर कई सालों बाद आ रही है, और इसमें शामिल सभी कलाकार अपने–अपने किरदारों के साथ न्याय करेंगे।

रणबीर कपूर की तारीफ में सनी ने कही बडी बात

फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभा रहे रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए सनी ने कहा, यह बहुत अच्छा होने वाला है क्योंकि वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं, और वह हमेशा किसी भी प्रोजेक्ट को पूरी तरह से जीते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रामायण के पहले भाग में सनी देओल का स्क्रीन टाइम लगभग आधे घंटे से भी कम होगा। फिल्म हनुमान के आगमन के साथ समाप्त होगी, जो भगवान राम को देवी सीता को बचाने में मदद करने का वादा करते हैं। रामायण भाग 2 में सनी की भूमिका बडी होगी। रामायण का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। इस फिल्म में यश (रावण), साई पल्लवी (सीता) और रवि दुबे (लक्ष्मण) जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का पहला भाग 2026 की दिवाली पर और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है।

# केमिकल को कहें अलविदा, किचन की इन आइटम्स से घर पर ही बनाएं लिप टिंट

घर पर लिप टिंट बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि किसी भी तरह का केमिकल ना होने की वजह से आपको अपने होंठों को लेकर भी परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप घर पर मौजूद सामान की मदद से लिप टिंट किस तरह बनाकर तैयार कर सकती हैं।

अपने लिप्स की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए हम अक्सर मार्केट में मिलने वाले तरह–तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन अधिकतर प्रोडक्ट्स में केमिकल होते हैं, जो कई बार आपके लिप्स को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप घर पर ही लिप प्रोडक्ट तैयार करें। मसलन, रोजमर्रा में हम लिप टिंट का इस्तेमाल करती हैं, क्योंकि इससे होंठों पर एक हल्का सा कलर आता है जो हमारे लुक को खास बनाता है। हालांकि, इस लिप टिंट को आप अपनी किचन में मौजूद सामान की मदद से घर पर ही बना सकती हैं।

जी हां, घर पर लिप टिंट बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि किसी भी तरह का केमिकल ना होने की वजह से आपको अपने होंठों को लेकर भी परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप घर पर मौजूद सामान की मदद से लिप टिंट किस तरह बनाकर तैयार कर सकती हैं–

चुकंदर लिप टिंट

चुकंदर खाना तो हम सभी को पसंद होता है, लेकिन अब आप इससे लिप टिंट भी बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री–

1 छोटा चुकंदर

आधा छोटा चम्मच नारियल तेल या घी

आधा छोटा चम्मच शहद

लिप टिंट कैसे बनाएं–

लिप टिंट बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें और अच्छे से पीस लें।

बारीक कपड़े या छलनी से उसका रस छान लें।

अब इसमें नारियल तेल और शहद मिलाएं।

आप इसे छोटे डिब्बे में भरकर फ्रिज में रखें।

आप इसे 5–6 दिन तक आसानी से इस्तेमाल कर सकती हैं।

इससे आपके होठों को गहरा गुलाबी–लाल रंग मिलेगा।

कॉफी लिप टिंट

अगर आप ब्राउन न्यूड शेड चाहती हैं तो ऐसे में कॉफी का इस्तेमाल करें। रोजमर्रा के लिए यह लिप टिंट काफी अच्छा है।

आवश्यक सामग्री–

1 छोटा चम्मच इंस्टेंट कॉफी पाउडर

1 छोटा चम्मच नारियल तेल

आधा छोटा चम्मच बीवैक्स या घी

लिप टिंट कैसे बनाएं–

नारियल तेल और बीवैक्स को गर्म करके पिघला लें।

अब इसमें कॉफी पाउडर मिलाएं।

ठंडा करके छोटे डिब्बे में भर लें।

इसे हर दिन इस्तेमाल किया जा सकता है।

इससे आपको हल्का ब्राउन–न्यूड रंग मिलता है।

# डिप्रेशन का शिकार होने पर दिखाई देते हैं ये लक्षण, जानिए पेरेंट्स कैसे करें मदद

आज के समय में अधिकतर लोग डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। आमतौर पर आपने देखा होगा कि बड़े–बुजुर्गों को डिप्रेशन होता है और इससे बचने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर का बच्चा भी डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। जो बच्चे हंसते–खेलते रहते हैं, वह कब गुमसुम हो जाते हैं। यह उनके माता–पिता को पता ही नहीं चल पाते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि आज के समय में माता–पिता दोनों वर्किंग होते हैं। माता–पिता दोनों के वर्किंग होने पर वह बच्चों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं। कई बार इस कारण भी बच्चों को तनाव घेर लेता है।

डिप्रेशन का शिकार होने पर बच्चा अन्य की तुलना में गुमसुम और सुस्त हो जाता है। उसको किसी भी काम को करने में सजा नहीं आता है। वह लोगों से मिलने और बात करने में कतराता है और वह चुपचाप और अकेला रहने लगता है। बता दें कि डिप्रेशन में जाने के बाद कुछ लक्षण नजर आते हैं। जिनको समय रहते पेरेंट्स को पहचानना जरूरी होता है। ऐसे समय पर माता–पिता को बच्चे को समय देना चाहिए और उनसे उनकी दिक्कतों के बारे में पूछना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्च्चों में डघ्प्रिेशन के कुछ लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

डिप्रेशन का कारण

फैमिली हिस्ट्री

डिलीवरी के समय कोई दिक्कत होना

घर में लड़ाई झगड़े का माहौल

मन में किसी बात का डर बैठना

सैक्सुअल हरिसमेन्ट का शिकार होना

उदास होना

अगर आपका बच्चा उदास रहने लगा है, या फिर उसमें किसी भी काम को लेकर एक्साइटमेंट नहीं बची है। तो आपका बच्चा डिप्रेशन का शिकार हो चुका है।

खुद से बात करना

अगर आपके बच्चे ने खुद से बात करना शुरूकर दिया है, तो आपको उस पर ध्यान देने की जरूरत है। डिप्रेशन होने पर बच्चा अकेले बैठने लगता है और खुद से ही सवाल–जवाब करने लगते हैं। उनको किसी भी बात पर गुस्सा आता है, तो यह डिप्रेशन का लक्षण है।

चिड़चिड़ा होना

डिप्रेशन होने पर बच्चा चिड़चिड़ा होने लगता है। वह छोटी–छोटी बात पर गुस्सा होने लगता है या फिर उसको अकेले रहना ज्यादा पसंद आने लगता है।

खाने में आनाकानी करना

जब बच्चा डिप्रेशन का शिकार होने लगता है, तो उनकी रोजाना वाली आदतों में बदलाव आने लगता है। यहां तक वह ठीक से खाना भी नहीं खा पाते हैं और कई बार वह खाना भी स्किप कर`ते हैं।

पेरेंट्स को क्या करना चाहिए

बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए।

बच्चे के मन की बात जानने का प्रयास करना चाहिए।

पेरेंट्स को बच्चे से खुलकर बात करनी चाहिए।

बच्चे के साथ कोई गेम खेलें।

पेरेंट्स को बच्चे को बाहर घुमाने लेकर जाना चाहिए।

# खुलकर पेशाब करने में हो रही है परेशानी तो अपनाएं यह घरेलू नुस्खा

अकसर कई बार देखा जाता है कि पेशाब में जलन, पेशाब खुलकर न आना यूरिन टपकना और पेशाब करते समय तेज जलन का एहसास होना, (यूरिन समस्या) किसी भी उम्र में हो जाता है। ये कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिससे अक्सर लोगों को जूझना पड़ता है। इसके पीछे अधिक तला–भुना या मसालेदार खाना खाना, पानी कम पीना या पब्लिक वॉशरूम का इस्तेमाल करना जैसे कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। यह आमतौर पर यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (यूटीआई ), किडनी की पथरी, या ब्लैडर की सूजन की वजह से होता है। सही देखभाल और घरेलू नुस्खों से इस समस्या को कम किया जा सकता है।

गुनगुना पानी पीएं

दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास गुनगुना पानी पीना पेशाब की समस्याओं में बहुत फायदेमंद साबित होता है। गुनगुना पानी शरीर में जमा हुए टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और यूरिनरी ट्रैक्ट को साफ रखता है, जिससे संक्रमण होने की संभावना कम हो जाती है। ठंडे पानी की बजाय गुनगुना पानी पीने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और पेशाब में जलन जैसी समस्या में राहत मिलती है। गुनगुना पानी पीने से पेशाब में जलन, बार–बार पेशाब आने या पेशाब खुलकर न आने जैसी परेशानियां कम होती हैं। इसलिए, इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है ताकि यूरिनरी सिस्टम मजबूत और स्वस्थ बना रहे।

अनार का जूस

पेशाब की समस्याओं में एक बहुत ही असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन पाए जाते हैं, जो ब्लैडर और किडनी की सफाई में मदद करते हैं। नियमित रूप से अनार का ताजा जूस पीने से ब्लैडर में जमा हुए बैक्टीरिया और संक्रमण दूर होते हैं, जिससे पेशाब में जलन और दर्द जैसी समस्या कम हो जाती है। इसके अलावा, अनार के जूस में प्राकृतिक तत्व होते हैं जो यूरिनरी ट्रैक्ट की सूजन को भी घटाने में सहायक होते हैं। अगर आप पेशाब में जलन महसूस कर रहे हैं या पेशाब खुलकर नहीं आ रहा है, तो रोजाना एक गिलास अनार का ताजा जूस पीना बहुत फायदेमंद रहेगा। ध्यान रखें कि जूस ताजा हो और बिना किसी अतिरिक्त शक्कर के लिया जाए ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके।

लौकी का जूस

अगर आपको पेशाब करने में परेशानी हो रही है या पेशाब रुक–रुक कर आ रहा है, तो रोजाना 1 गिलास लौकी का जूस पीना बहुत फायदेमंद होता है। लौकी का जूस शरीर के अंदर जमा हुए टॉक्सिन्स यानी हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे आपके ब्लैडर और किडनी साफ रहती हैं और पेशाब आसानी से और पूरी तरह निकल पाता है। नियमित तौर पर लौकी का जूस पीने से पेशाब की समस्या कम होती है और यूरिनरी सिस्टम बेहतर तरीके से काम करता है। यह एक प्राकृतिक और सस्ता उपाय है जिसे आप घर पर आसानी से अपना सकते हैं।

तुलसी के पत्ते

प्राकृतिक औषधि के रूप में बहुत उपयोगी होते हैं, खासकर पेशाब की समस्याओं में। अगर आप 5–6 तुलसी के ताजे पत्तों को पानी में उबालकर उसका ठंडा किया हुआ पानी पीते हैं, तो यह आपके ब्लैडर को साफ करने में मदद करता है। तुलसी में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेशाब करते समय होने वाली जलन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, तुलसी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में मदद करती है। इसलिए, पेशाब में जलन या पेशाब खुलकर न आने जैसी समस्या होने पर तुलसी के पत्तों का यह सरल घरेलू नुस्खा बहुत फायदेमंद साबित होता है। इसे नियमित रूप से इस्तेमाल करने से यूरिनरी सिस्टम मजबूत होता है और आप जल्दी आराम महसूस करते हैं।

भुना हुआ जीरा

सुबह खाली पेट भुना हुआ जीरा और मिश्री बराबर मात्रा में खाने से पेशाब की समस्या में काफी राहत मिलती है। भुना हुआ जीरा पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जबकि मिश्री में ठंडक प्रदान करने वाले गुण होते हैं जो पेशाब करते समय होने वाली जलन और बेचौनी को कम करते हैं। यह मिश्रण ब्लैडर की सूजन को घटाता है और पेशाब को आराम से खुलने में सहायता करता है। इसके नियमित सेवन से यूरिनरी ट्रैक्ट संक्रमण के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। यह एक आसान और सस्ता घरेलू नुस्खा है जिसे अपनाकर आप बिना दवा के भी पेशाब की जलन और परेशानी से बच सकते हैं।

लौंग का पानी

लौंग का पानी पेशाब में जलन और संक्रमण जैसी समस्याओं के लिए एक प्रभावी घरेलू उपाय है। जब आप 3–4 लौंग को पानी में उबालते हैं, तो यह पानी एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर हो जाता है, जो ब्लैडर और यूरिनरी ट्रैक्ट को साफ करने में मदद करता है। लौंग में मौजूद प्राकृतिक तत्व बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और सूजन को कम करते हैं, जिससे पेशाब करते समय होने वाली जलन और दर्द में आराम मिलता है। नियमित रूप से लौंग का पानी पीने से पेशाब की समस्या जल्दी दूर होती है और यूरिनरी सिस्टम स्वस्थ रहता है। इसे दिन में एक या दो बारपीना सबसे अच्छा रहता है। यह एक सरल, सस्ता और प्राकृतिक उपाय है जिसे आसानी से घर पर अपनाया जा सकता है।

सेब का सिरका

पेशाब की जलन और यूरिन संक्रमण में एक कारगर घरेलू नुस्खा माना जाता है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो ब्लैडर और यूरिनरी ट्रैक्ट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। सेब का सिरका शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे पेशाब की जलन कम होती है और संक्रमण जल्दी ठीक होता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए एक चम्मच सेब का सिरका एक गिलास पानी में मिलाकर दिन में एक बार पीना चाहिए। हालांकि, सेब का सिरका अम्लीय होता है, इसलिए इसे बिना पानी के सीधे पीना नुकसानदायक हो सकता है और यह पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही, ज्यादा मात्रा में इसका सेवन न करें। इस उपाय को अपनाने से पेशाब की जलन में राहत मिलती है और यूरिनरी स्वास्थ्य बेहतर होता है।

सावधानियां

भारी, तली–भुनी और मसालेदार चीजें न खाएं, साफ–सफाई का ध्यान रखें और पेशाब रोकने की आदत छोड़ें।

डॉक्टर से संपर्क करें अगर

पेशाब में खून आ रहा हो, तेज बुखार हो, पेट में बहुत दर्द हो और घरेलू नुस्खे काम न करें तो डॉक्टर से सलाह लें।

# मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकती हैं ये मॉर्निंग हैबिट्स

चाहे बात वेट लॉस की हो या फिर बेहतर डाइजेशन की, मेटाबॉलिज्म का बेहतर तरीके से काम करना बहुत ही जरूरी है। अमूमन देखने में आता है कि लोग मेटाबॉलिज्म बूस्टर दवाइयों का सहारा लेते हैं, जबकि अगर आप अपने दिन की शुरुआत सही तरीके से करते हैं तो इससे मेटाबॉलिज्म

को बूस्ट करने में नेचुरली काफी मदद मिलती है। जी हां, जब आप सोकर उठते हैं तो उस समय आप खुद को किस तरह ट्रीट करते हैं, यह काफी मायने रखता है। अगर सुबह के समय कुछ छोटी–छोटी आदतों को अपनाया जाए या फिर कुछ छोटे–छोटे बदलाव किए जाएं तो इससे ना केवल आपका मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है, बल्कि आपको एक हेल्दी लाइफ जीने में भी काफी मदद मिलती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मार्निंग हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकती हैं–

करें मेडिटेशन

अमूमन लोगों को लगता है कि मेडिटेशन सिर्फ मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी है, जबकि इससे मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में भी मदद मिलती है। दरअसल, आज के समय में हर कोई तनावग्रस्त रहता है, लेकन जब शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है, तो इससे मेटाबॉलिज़्म पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। लेकिन जब तनाव कम होता है तो शरीर फैट बर्निंग मोड में आ जाता है। इसलिए, दिन की शुरुआत में बस 5 मिनट शांत बैठकर मेडिटेशन जरूर करें।

प्रोटीन रिच हो ब्रेकफास्ट

कोशिश करें कि आपके ब्रेकफास्ट में प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में हो। इससे आपकी क्रेविंग्स तो कम होती हैं ही, साथ ही साथ प्रोटीन को पचाने में शरीर को ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिसकी वजह से मेटाबॉलिज़्म बूस्ट होता है। इसलिए, अपने मार्निंग ब्रेकफास्ट में अंडा, पनीर या प्रोटीन स्मूदी अवश्य लें। इससे आपको ज्यादा देर तक भूख भी नहीं लगेगी।

लें कोल्ड शॉवर

अगर संभव हो तो सुबह के समय आप कोल्ड शॉवर जरूर करें। दरअसल, ठंडा पानी ब्राउन फैट को एक्टिव करता है और यह शरीर को गर्म रखने के लिए कैलोरी बर्न करता है। इससे आपको फायदा मिलता है। अगर आप चाहें तो नहाने के आखिर में सिर्फ 30 सेकंड के लिए भी ठंडे पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## संक्षिप्त

### सेबी में बढ़ीं निपटान याचिकाएं; इस वित्त वर्ष में 703 आवेदन दायर किए गए, 284 का निपटारा हुआ

बाजार नियामक सेबी के सामने पेश निपटान याचिकाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रतिभूति मानदंडों के उल्लंघन के निपटान के लिए सेबी को 703 आवेदन प्राप्त हुए। जिससे पता चलता है कि लंबी मुकदमेबाजी प्रक्रियाओं से गुजरे बिना विवादों को सुलझाने की प्रवृत्ति में तेजी देखी जा रही है।

लंबी मुकदमेबाजी से बचने के लिए दायर होती हैं निपटान याचिकाएं

वित्त वर्ष 2023–24 में, सेबी को 434 निपटान याचिकाएं प्राप्त हुई थीं। सेबी की 2024–25 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में मिले 703 निपटान आवेदनों में से, नियामक ने उचित निपटान आदेश पारित करके 284 आवेदनों का निपटारा कर दिया, जबकि अन्य 272 आवेदन वापस कर दिए गए, या अस्वीकार कर दिए गए या वापस ले लिए गए। दरअसल सेबी की निपटान तंत्र संस्था, लंबी मुकदमेबाजी में उलझे बिना, निपटान शुल्क का भुगतान करके और कुछ शर्तों का पालन करके मामलों का समाधान करने की अनुमति देता है।

सेबी को निपटान तंत्र से मिले 798 करोड़ रुपये

गौरतलब है कि निपटाए गए 284 आवेदनों के लिए सेबी ने निपटान शुल्क के रूप में 798 करोड़ रुपये और करीब 65 करोड़ रुपये बतौर वसूली शुल्क वसूले। ये निपटान आदेश विभिन्न नियमों के कथित उल्लंघनों के लिए जारी किए गए थे, जिनमें भेदिया व्यापार, धोखाधड़ीपूर्ण व्यापार व्यवहार, वैकल्पिक निवेश कोष, म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक आदि शामिल हैं। निपटान मामलों के साथ–साथ, सेबी ने कई अपीलों का भी निपटारा किया। 2024–25 में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में नियामक से संबंधित कुल 533 नई अपीलें दायर की गईं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह संख्या 821 थी। निपटाई गई अपीलों में से अधिकतर लगभग 62 प्रतिशत, धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध (पीएफयूटीपी) विनियम, 2003 के उल्लंघन से संबंधित थीं।

### अरुणाचल सभी हरित ऊर्जा परियोजनाओं में तेजी लाएगा : खांडू

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सभी हरित ऊर्जा परियोजनाओं में तेजी लाने, रुकी हुई परियोजनाओं को पटरी पर लाने और सार्वजनिक–निजी भागीदारी को अपनाने के एक दशक के लंबे मिशन पर है। यहां आईजी पार्क में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में खांडू ने कहा कि जैसे–जैसे राज्य वर्ष 2047 तक विकसित अरुणाचल की ओर बढ़ रहा है, लोगों को हरित ऊर्जा की ओर देखना होगा। वर्ष 2047, भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का वर्ष है। उन्होंने कहा, ''बेजोड़ प्राकृतिक क्षमता के साथ, अरुणाचल भारत का हरित ऊर्जा केंद्र बन रहा है। हमारे जलविद्युत और ग्रेफाइट, चूना पत्थर, डोलोमाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधन आने वाले दशकों तक सौर पैनलों, बैटरियों और इलेक्ट्रिक वाहन जरूरी गति प्रदान करेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 2,000 मेगावाट की सुबनसिरी लोअर परियोजना जैसी बड़ी परियोजनाएं मई 2026 तक तैयार हो जाएंगी और 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना फरवरी 2032 तक पूरी होने की राह पर है। अरुणाचल सरकार ने पहले ही वर्ष 2025–35 को जलविद्युत दशक घोषित कर दिया है। खांडू ने कहा, ''अगले 3 वर्षों में ही, हम दो लाख करोड़ रुपये की नई जलविद्युत परियोजनाओं पर काम शुरू करेंगे, जिससे 19 गीगावाट क्षमता और बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं केवल ऊर्जा के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये सशक्तिकरण के बारे में हैं। इन परियोजनाओं से राज्य को सालाना 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की मुफ्त बिजली और स्थानीय क्षेत्र के विकास के लिए 750 करोड़ रुपये मिलेंगे। हर साल, लगभग 2,000 करोड़ रुपये का लाभांश सीधे हमारे राज्य को मिलेगा। बेहतर सड़कों, स्कूलों आदि के अलावा, इससे निर्माण और संचालन में 30,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस परियोजना के भारत की जल और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए रणनीतिक महत्व से अवगत है। इस परियोजना का आदि समुदाय ने कड़ा विरोध किया है, उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश अपनी अपार जलविद्युत क्षमता के कारण वर्ष 2023–24 में 16,326 कार्बन क्रेडिट जारी करने की गारंटी पहले ही प्राप्त कर चुका है। अरुणाचल प्रदेश वर्ष 2024–25 में अतिरिक्त 7,275 कार्बन क्रेडिट की स्वीकृति के अंतिम चरण में है। प्रत्येक कार्बन क्रेडिट 1,000 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी दर्शाता है – जो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सरकार के ठोस योगदान का प्रमाण है।

### एक दशक में आठ गुना बढ़ा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तिमाही के दौरान निर्यात 12.4 अरब डॉलर रहा। मंत्री ने कहा कि यह मेक इन इंडिया की सफलता की कहानी है। इसके कारण 2014–15 से शुरू होने वाले एक दशक में हमारे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 31 अरब डॉलर से 133 अरब डॉलर तक की तेजी से वृद्धि हुई है। वहीं सामानों का निर्यात 2014–15 में 38,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 3. 27 लाख करोड़ रुपये हो गए। यह आठ गुना की वृद्धि को दर्शाता है। दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज सैमसंग भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बताया कि वैश्विक स्तर पर भारत सैमसंग का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माण केंद्र है। देश से एक्सपोर्ट में भी यह कंपनी एप्पल के बाद दूसरे स्थान पर है। वैष्णव ने कहा कि भारत में मौजूद प्रतिभा और इनोवेशन की बदौलत सैमसंग लगातार उन्नत तकनीक वाले उपकरण बना रहा है।

# एशिया कप में दिखेगा जसप्रीत बुमराह का जलवा, टीम में चयन हुआ पक्का? खुद के उपलब्ध रहने की दी जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह ने कुछ दिनों पहले चयनकर्ताओं से बात की थी और इस टूर्नामेंट में खेलने की जानकारी दी थी। बताया जा रहा है कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 अगस्त को मुंबई में बैठक करेगी और एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनेगी।

एशिया कप का आयोजन यूएई में नौ से 28 सितंबर तक होगा। यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। सूत्रों ने कहा, बुमराह ने चयनकर्ताओं को बताया है कि वह एशिया कप के लिए उपलब्ध रहेंगे। जब चयन समिति के सदस्य अगले सप्ताह बैठक करेंगे तो वे इस पर चर्चा करेंगे।

इंग्लैंड दौरे पर बुमराह ने खेले थे तीन मैच

मालूम हो कि बुमराह कार्यभार प्रबंध के चलते इंग्लैंड दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच में ही खेले थे। उन्हें एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले रिलीज कर दिया गया था। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह पहले टेस्ट मैच में खेले, जबकि दूसरे टेस्ट मैच से उन्हें आराम दिया गया। इसके बाद उन्होंने तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में हिस्सा लिया, जबकि पांचवें टेस्ट मैच में नहीं खेले। टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह ने

कुल 119.4 ओवर गेंदबाजी की और दो बार फाइव विकेट हॉल लिए।

लंबे समय बाद टी20 टीम में नजर आएंगे बुमराह

एशिया कप का आयोजन इस बार टी20 प्रारूप में होना है इसलिए बुमराह को लंबे स्पैल नहीं करने होंगे और टीम प्रबंधन के पास यह विकल्प भी होगा कि उन्हें किस मैच में आराम देना है। एशिया कप की शुरुआत और बुमराह के आखिरी बार खेलने में 40 दिनों का अंतराल होगा। बुमराह ने भारत के लिए आखिरी बार टी20 मुकाबला पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में खेला था, जहां भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराया था। बुमराह ने उस मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे।

कुछ दिनों पहले यूएई पहुंचेगी टीम

भारतीय टीम एशिया कप के लिए जल्द ही यूएई पहुंचेगी। टीम के ज्यादातर खिलाड़ी बिना मैच अभ्यास के एशिया कप में जाएंगे जिस कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम प्रबंधन से पूछा है कि क्या वे बंगलूरू में छोटा शिविर करना चाहेंगे। हालांकि, टीम प्रबंधन का मानना है कि थोड़ा पहले यूएई पहुंचना अच्छा रहेगा जिससे खिलाड़ी परिस्थितियों में ढल सकें। सूत्र ने कहा, शिविर लगाने के बजाय, टीम तीन–चार दिन पहले ही उड़ान भरेगी जिससे टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें अच्छा अभ्यास मिल सके।

# 'रोहित 45 की उम्र तक खेल सकते हैं', योगराज ने वनडे कप्तान के पांच साल और खेलने का समर्थन किया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा उस स्तर के खिलाड़ी हैं जो 45 साल की उम्र तक भी खेल सकते हैं। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है, लेकिन वह अभी वनडे में खेलते हैं। इस पर चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे?

रोहित आखिरी बार चौंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर

रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार चौंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं।

योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं।

वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी पारी और दूसरी तरफ दुनिया में किसी अन्य बल्लेबाज की पारी। यह रोहित का क्लास है। आपको कहना चाहिए कि रोहिच आपकी हमें पांच साल और जरूरत है यार, इसलिए आप देश के लिए और भी योगदान दें। अपनी फिटनेस और सबकुछ पर मेहनत करें। चार आदमी उनके साथ लगाएं और सुबह 10 किमी तक दौड़ें। उनका स्तर ऐसा है कि अगर वह चाहें तो 45 साल की उम्र तक खेल सकते हैं।

घरेलू क्रिकेट में खेलने की दी सलाह

योगराज ने रोहित से खुद को फिट रखने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है। योगराज ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। वह जितना खेलेंगे, उतने ही फिट रहेंगे। फाइनल में कौन प्लेयर ऑफ द मैच रहा था? रोहित शर्मा, इसलिए आपको सिर्फ उसी बारे में बात करनी चाहिए जिसे आप जानते हैं। अगर आपको उनके खेल और फिटनेस के बारे में बात करनी है, तो तभी करें जब आप किसी स्तर पर खेले हों। क्या आपको इस तरह बात करने में शर्म आती है?

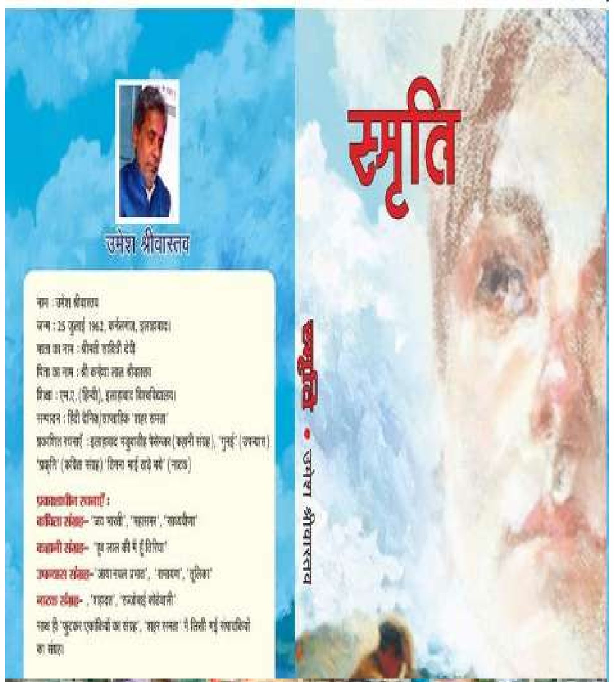

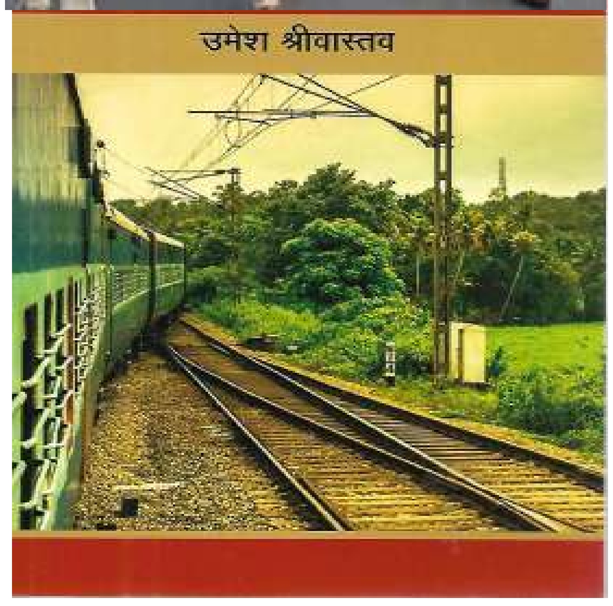


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

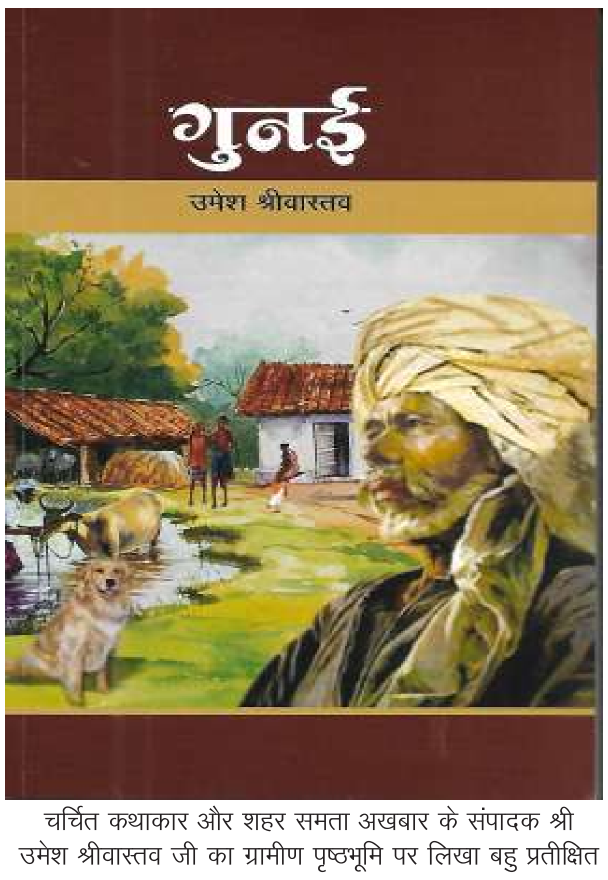


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

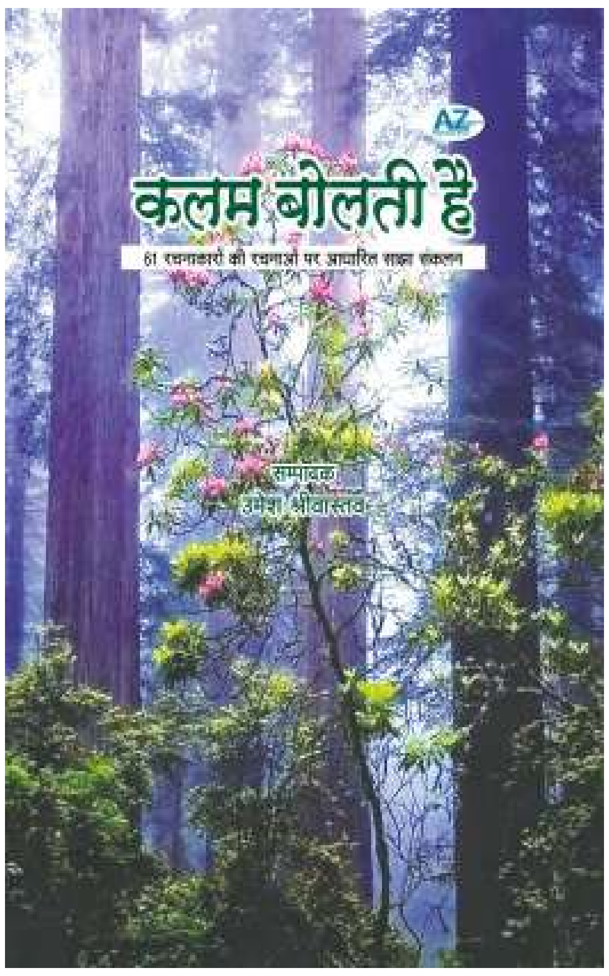


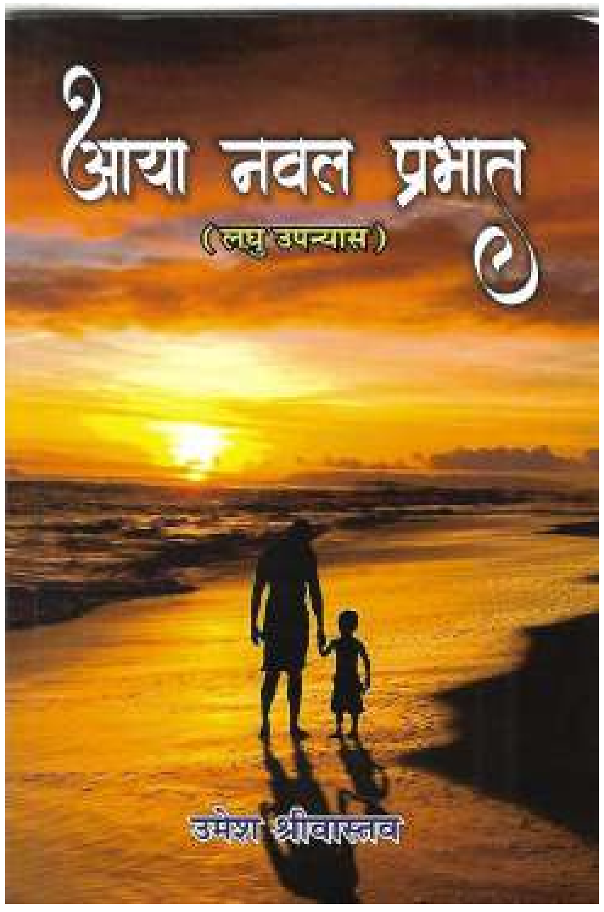


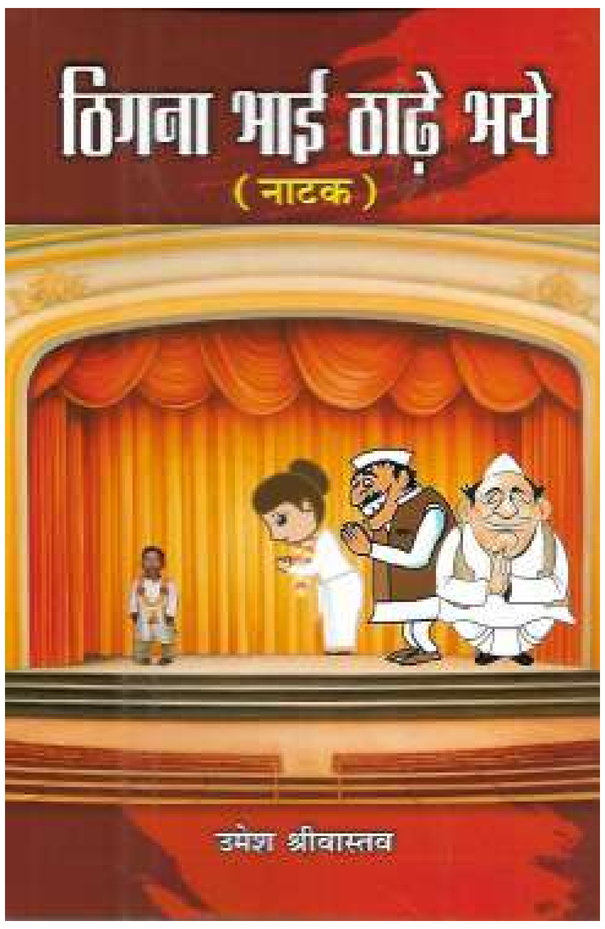


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री के साथ सार्थक वार्ता की

भारत और दक्षिण कोरिया ने शनिवार को सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाते हुए अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का संकल्प लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और दक्षिण कोरिया के उनके समकक्ष चो ह्यून के बीच बातचीत में समग्र द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "व्यापार, विनिर्माण, समुद्री और लोगों के आपसी संपर्क के

साथ–साथ एआई, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा में नए अवसरों में हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई।" जयशंकर ने कहा कि उन्होंने और ह्यून ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र और समकालीन वैश्विक घटनाक्रम पर भी विचार का आदान–प्रदान किया। उन्होंने कहा, "विशेष रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रगाढ़ होती भागीदारी की सराहना की।" बैठक में जयशंकर ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा के लिए दक्षिण कोरिया को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दक्षिण कोरिया का दौरा करने वाले भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल को सियोल द्वारा दिए गए समर्थन का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा, "आपको (विदेश मंत्री के रूप में) कार्यभार संभाले हुए मुश्किल से एक महीना हुआ है, और यह तथ्य कि आप अपने राष्ट्रीय दिवस और हमारे राष्ट्रीय दिवस के ठीक एक दिन बाद यहां हैं, इस संबंध को हम जो महत्व देते हैं उसके बारे में बहुत कुछ कहता है।" पिछले कुछ वर्षों में भारत–दक्षिण कोरिया संबंधों में, विशेषकर व्यापार और रक्षा के क्षेत्रों में तेजी आई है।

### विदेश सचिव मिसरी दो दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे

विदेश सचिव विक्रम मिसरी रविवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल पहुंचे। इस दौरान वह नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मिसरी सुबह लगभग नौ बजे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। वह नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के निमंत्रण पर यहां आए हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार वह राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली से मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा से

शिष्टाचार भेंट करेंगे। सूत्रों ने बताया कि मिसरी दिन में बाद में विदेश मंत्रालय, सिंहदरबार में नेपाल के विदेश सचिव के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। वह नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी–माओवादी सेंटर चेयरमैन पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' सहित प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उनकी यात्रा के दौरान संपर्क, विकास सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। मिसरी अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद सोमवार को वतन लौटेंगे। इस मामले से परिचित लोगों ने बताया कि काठमांडू में मिसरी की बैठकों का मुख्य उद्देश्य नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की अगले माह नयी दिल्ली यात्रा की तैयारी करना है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार ओली 16 सितंबर के आसपास भारत आ सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

### रूस–यूक्रेन संघर्ष के बीच बने 'स्वैच्छिक गठबंधन' में ब्रिटिश पीएम शामिल; ट्रंप–पुतिन की वार्ता के बाद बैठक

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने रविवार को यूरोपीय नेताओं के साथ वीडियो बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक यूक्रेन युद्ध को लेकर हुई, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी शामिल हुए। यह चर्चा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की अगले हफ्ते व्हाइट हाउस यात्रा से पहले हुई।

ट्रंप–पुतिन मुलाकात के बाद वार्ता

ये बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अलास्का में शांति वार्ता की थी। हालांकि इसमें कोई युद्धविराम समझौता नहीं हुआ।

स्टार्मर ने ट्रंप की कोशिशों की सराहना की

पीएम स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप की पहल से शांति की उम्मीद और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के बिना शांति की राह तय नहीं हो सकती। आगे का कदम उनके शामिल होने वाली वार्ता ही होगी।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# शांति पर बदले डोनाल्ड ट्रंप के सुर, यूक्रेन–रूस युद्ध खत्म करने का दिया 'मास्टर प्लान'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता कर लेना चाहिए। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से यह बात कही।

पुतिन की नई शर्त और यूक्रेन का इनकार

एक सूत्र के अनुसार, इस बैठक में पुतिन ने एक शर्त रखी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन पूरा डोनेट्स्क प्रांत रूस को सौंप दे, तो वे ज्यादातर मोर्चों पर सैनिकों की तैनाती रोक देंगे। डोनेट्स्क एक औद्योगिक क्षेत्र है और रूस के मुख्य लक्ष्यों में से एक रहा है। हालांकि, जेलेंस्की ने पुतिन की इस मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि रूस पहले से ही यूक्रेन के करीब पांचवें हिस्से पर कब्जा कर चुका है।

युद्धविराम के बजाय सीधा शांति समझौता

ट्रंप ने कहा कि वे पुतिन से सहमत हैं कि युद्धविराम की मांग के बजाय सीधा शांति समझौता होना चाहिए। पहले ट्रंप का रुख अलग था, जब उन्होंने कहा था कि युद्धविराम के बिना वे खुश नहीं होंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, श्सभी ने यह तय किया है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस भयानक युद्ध को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका सीधे शांति समझौते पर पहुंचना है। इससे युद्ध खत्म होगा, न कि सिर्फ एक युद्धविराम होगा, जो अक्सर टिक नहीं पाता है।

जेलेंस्की का रुख

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के लडाई रोकने की अनिच्छा के कारण स्थायी शांति मुश्किल हो रही है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, श्हत्या को रोकना युद्ध खत्म करने का एक अहम हिस्सा है।श इसके बावजूद, जेलेंस्की ने कहा कि वे सोमवार को वाशिंगटन में ट्रंप से मिलेंगे।

बैठक के मायने

इस मुलाकात से फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई बैठक की यादें ताजा हो गई हैं, जब ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने सार्वजनिक रूप से जेलेंस्की की आलोचना की थी। ट्रंप ने संकेत दिया है कि भविष्य में पुतिन, जेलेंस्की और उनके बीच एक त्रिपक्षीय बैठक भी हो सकती है। इस बीच, यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों ने ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया है, लेकिन रूस पर कडे प्रतिबंध जारी रखने का संकल्प लिया है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा कि सोमवार की बैठक में यूरोपीय नेता भी शामिल हो सकते हैं। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। माना जाता है कि यूरोप में 80 साल का यह सबसे भयानक युद्ध अब तक दस लाख से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है या उन्हें घायल कर चुका है, जिसमें हजारों आम नागरिक भी शामिल हैं।

## 'अमेरिका को लगता है, वो मनमानी कर लेगा', शीर्ष अर्थशास्त्री ने भारत पर टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप को लताड़ा

वॉशिंगटन। मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स ने भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जमकर लताड़ लगाई है। सैक्स ने ट्रंप की टैरिफ नीति को बेवकूफी भरा बताया और कहा कि इससे अमेरिका को कुछ हासिल नहीं होगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में जेफ्री सैक्स ने कहा कि ट्रंप का टैरिफ लगाने का फैसला साफ तौर पर उनकी ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के प्रति दुश्मनी को दिखाता है। जेफ्री ने कहा श्इतना ज्यादा टैरिफ लगाने का कोई मतलब नहीं। ये सही नहीं है। इससे कुछ नहीं होगा। भारत पर टैरिफ लगाना हर लिहाज से बेवकूफी है।श अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप भ्रम में

जी रहे हैं। उन्होंने कहा श्अमेरिका ने लंबे समय तक इस दुनिया पर अपना प्रभुत्व बनाकर रखा और उन्हें अब भी लगता है कि वे दुनिया पर अपनी मनमानी चला सकते हैं।श सैक्स के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ न सिर्फ अमेरिका की खुद की अर्थव्यवस्था के लिए को नुकसान पहुंचाएगा।

टैरिफ युद्ध अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा

सैक्स ने कहा श्टैरिफ में सबकुछ गलत है। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा और यह अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था का भी उल्लंघन है। यह हमारी राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी खराब है। ट्रंप की नीतियां असफल ही होंगी।श अर्थशास्त्री ने भारत को अमेरिका के प्रति सतर्क रुख करने की भी सलाह दी और कहा कि रक्षा और व्यापार के लिए अमेरिका पर निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगी। उन्होंने कहा, श्अमेरिकी राजनेताओं को भारत की बिल्कुल भी परवाह नहीं है। कृपया इसे समझें। चीन के खिलाफ क्वाड में अमेरिका का साथ देकर भारत को दीर्घकालिक सुरक्षा नहीं मिलेगी। भारत खुद एक महाशक्ति है जिसकी दुनिया में अपनी एक स्वतंत्र जगह है।श सैक्स ने आश्चर्यजनक रूप से चीन, रूस और ब्राजील को भारत के सच्चे साझेदार देश बताया। सैक्स ने कहा कि भले ही भारत, अमेरिकी आपूर्ति में विविधता लाने में मदद करे, फिर भी उसे वाशिंगटन के साथ अच्छे व्यापारिक संबंधों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

## 'बच्चों की मासूमियत की रक्षा करके आप पूरी मानवता की सेवा करेंगे': मेलानिया ट्रंप का पुतिन को पत्र

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नाम एक पत्र लिखा और उनसे प्रत्यक्ष तौर पर यूक्रेन में शांति का अनुरोध किया। मेलानिया ट्रंप के इस पत्र में यूक्रेन का नाम नहीं लिया गया लेकिन पुतिन से बच्चों और उनकी उस मासूमियत के बारे में विचार करने की

अपील की गई "जो भौगोलिक सीमाओं, सरकार और विचारधारा से परे है।" ट्रंप ने मेलानिया का यह पत्र पुतिन को अलास्का में सौंपा। ट्रंप और पुतिन के बीच शुक्रवार को अलास्का में शिखर बैठक हुई जिसमें यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से जारी युद्ध को समाप्त करने संबंधी बातचीत की गई हालांकि इस बैठक का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। अमेरिकी प्रथम महिला ने अपने पत्र में संघर्ष का उल्लेख सीधे तौर पर नहीं किया बस पुतिन से इतना कहा कि वे अपने प्रयास से उन बच्चों की हंसी वापस ला सकते हैं जो इस संघर्ष में फंस गए हैं। उन्होंने पत्र में लिखा, "इन बच्चों की मासूमियत की रक्षा करके आप न सिर्फ रूस की बल्कि पूरी मानवता की सेवा करेंगे।"

## पाकिस्तान में बाढ़ से हालात बेकाबू, 327 लोग गंवा चुके जान; मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में बारिश और बाढ़ से तबाही मचा रखी है। हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते अब तक 327 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। जबकि मानसूनी बारिश के चलते 26 जून से अब तक 650 लोगों की मौत हो चुकी है। अब मौसम विभाग ने 17 अगस्त से 21 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रों के लोगों से एहतियाती उपाय करने की

अपील की है। पाकिस्तान के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि मूसलाधार बारिश और बादल फटने के चलते अचानक आई बाढ़ ने खैबर पख्तूनख्वा में कम से कम 327 लोगों की जान ले ली है। अकेले बुनेर में ही 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। कम से कम 137 लोग घायल हो गए। बाढ़ के चलते घर ढह गए और पानी के तेज बहाव में कई लोग, मवेशी और वाहन बह गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूरदराज के गांवों में कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। साथ ही कई लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगभग दो हजार कर्मियों के साथ बचाव कार्य जारी है, लेकिन पुलों और संपर्क मार्गों सहित प्रमुख सड़कों के नष्ट होने से राहत कार्य प्रभावित हो रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने चेतावनी दी है कि इस वर्ष सामान्य से पहले शुरू हुई मूसलाधार बारिश अगले दो सप्ताह तक और अधिक तीव्रता के साथ जारी रहने की उम्मीद है।

परिवहन सेवा प्रभावित

खैबर पख्तूनख्वा में काम कर रही बचाव एजेंसी के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने कहा कि भारी बारिश, भूस्खलन और सड़कें बहनें से बचाव कार्यों जैसे मशीनरी और एंबुलेंस के परिवहन में परेशानी आ रही है। कुछ इलाकों में मजदूरों को आपदा स्थलों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल चलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। वे बचे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग ही अपने रिश्तेदारों या प्रियजनों की मलबे में फंसकर हुई मौत के कारण वहां से निकल पा रहे हैं। बुनेर के उपायुक्त काशिफ कयूम खान ने कहा कि बचावकर्मियों को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने के लिए नए रास्ते ढूँढ़ने पड़ रहे हैं। अभी भी कई लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं, जिन्हें स्थानीय निवासी नहीं निकाल सकते।

पाकिस्तानी सेना भी चला रही अभियान

पाकिस्तानी सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू (यूएसएआर) टीम ने भी बुनेर, शांगला और स्वात में बचाव अभियान शुरू किया। सेना के जवान प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंच बहाल करने के लिए अवरुद्ध मार्गों को साफ करने और क्षतिग्रस्त पुलों की मरम्मत करने के लिए काम कर रहे हैं। स्थानीय लोग भी रात भर मलबे में खोजबीन करते रहे।

मुख्यमंत्री पहुंचे बुनेर

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंदापुर ने शनिवार को बुनेर का दौरा कर चल रहे बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले की सात ग्राम परिषदें बादल फटने से प्रभावित हुईं, जिससे कुल 5,380 घर क्षतिग्रस्त हो गए। बचाव और राहत कार्य जारी है। अब तक 3500 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि लापता लोगों की तलाश का अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रांतीय सरकार प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी। सरकार ने राहत एवं पुनर्वास गतिविधियों के लिए 1.5 अरब रुपये जारी किये हैं।

छह जिले आपदा प्रभावित

अधिकारियों के अनुसार कि सरकार ने छह जिलों बुनेर, बाजौर, स्वात, शांगला, मनसेहरा और बट्टाग्राम को आपदा प्रभावित घोषित किया है। इस मौसम में पाकिस्तान में मूसलाधार मानसूनी बारिश से अब तक 650 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है तथा 905 लोग घायल हुए हैं।

## पाकिस्तान में पिकनिक मनाने गए लागों पर बरसाई गोलियां, बंदूकधारी हमलावरों ने सात को उतारा मौत के घाट

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिकनिक से लौट रहे दोस्तों के एक समूह पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल बताया जा रहा है। पुलिस ने रविवार को बताया कि पीड़ितों पर शनिवार देर रात पेशावर से लगभग 65 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में कोहाट जिले के उपनगरीय इलाके रेगी शिनो खेल में हमला किया गया। वे टांडा बांध से अपने पैतृक गांव खरा घारी मुहम्मद जई लौट रहे थे। तभी हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस की टुकड़ियों की सहायता से बचाव दल के 1122 अधिकारियों ने शवों और घायलों को कोहाट जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। घायल शख्स को बाद में विशेष उपचार के लिए पेशावर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक और घायल सभी दोस्त थे। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर घटनास्थल से फरार हो गए, जबकि उनकी तलाश के लिए धरपकड़ अभियान शुरू कर दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया है। हत्याओं के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

### पाकिस्तान के पंजाब में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी; एक की मौत, कई घायल

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को एक ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य यात्री घायल हो गए। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। 'जियो न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना प्रांत के लोधरान रेलवे स्टेशन के पास हुई। घटना के समय ट्रेन पेशावर से कराची जा रही थी। कम से कम 19 घायल यात्रियों को क्षतिग्रस्त डिब्बों से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट में लोधरान की उपायुक्त डॉ. लुबना नजीर के हवाले से बताया गया है कि दो अन्य यात्रियों की हालत गंभीर है।

### महज 24 घंटे में कैटेगरी–5 का खतरनाक तूफान बना एरिन, कैरिबियन द्वीपों में बाढ़–भूस्खलन का खतरा

सैन जुआन। अटलांटिक महासागर में कैरिबियन के उत्तर में बना हरिकेन एरिन सिर्फ एक दिन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म से कैटेगरी पांच के ताकतवर तूफान में बदल गया। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने शनिवार को जानकारी दी कि एरिन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। इसके बाद अब 160 मील प्रति घंटा (लगभग 255 किमी/घंटा) की जबरदस्त हवाएं चल रही हैं। मामले में नेशनल हरिकेन सेंटर के डायरेक्टर माइक ब्रेन्नन ने कहा कि एरिन एक बहुत ही ताकतवर तूफान बन गया है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com


इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।